नई दिल्ली
रविवार 4 जनवरी 2026
माघ मास कृष्ण पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 29, अंक : 262
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 17
न्यून. 08

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अमेरिका ने देर रात 7 ठिकानों पर बोला हमला, ट्रंप खुद बोले- सीआईए को दी वेनेजुएला पर कार्रवाई की मंजूरी

तेल की लड़ाई हमले तक आई

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, जिसे 303 अरब बैरल से भी ज्यादा आंका जाता है। कई प्रतिबंधों की वजह से यह अब तक अनछुआ भंडार है। इसके अलावा सोने और गैस का भी जबरदस्त भंडार है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लीजिए, दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों पर कब्जे की लड़ाई हमले तक जा पहुंची। अमेरिका ने शुक्रवार रात 2 बजे वेनेजुएला के 7 ठिकानों पर टारगेटेड हमले किए। वेनेजुएला की राजधानी में शनिवार तड़के अचानक दहशत का माहौल बना,जब शहर के कई इलाकों में तेज धमाकों की आवाजें सुनी गईं।

कम से कम सात जोरदार धमाके सुनाई दिए, वहीं आसमान में नीची उड़ान भरते विमानों की आवाज भी लोगों ने सुनी। राष्ट्रपति मादुरो ने हमले के दौरान देश में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी। धमाकों की आवाज सुनते ही ▶▶ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व पत्नी को बंधक बनाकर देश से बाहर ले गए

राष्ट्रपति कहां हैं, यह स्पष्ट नहीं है? वेनेजुएला ने की प्रूफ ऑफ लाइफ की मांग

मादुरो सरकार अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी में शामिल

अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि वेनेजुएला की निकोलस मादुरो सरकार अमेरिका में ड्रग्स (विशेष रूप से फेंटेनाइल और कोकीन) की तस्करी में शामिल है। ट्रंप प्रशासन ने इसे एक राष्ट्रीय आपातकाल मानते हुए वेनेजुएला को निशाना बनाने की कोशिश की है। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि मादुरो के शासन में वेनेजुएला के लाखों नागरिकों को अमेरिका आने को मजबूर होना पड़ा है, जिससे अमेरिका में प्रवासी संकट बढ़ा है। इन लोगों के 2013 से ही देश छोड़कर भागने का दावा किया गया है। अमेरिका ने वेनेजुएला के दो आपराधिक समूहों- ट्रेन डी अरागुआ और कार्टेल डी लॉस सोलेस (जिसका नेतृत्व कथित तौर पर मादुरो करते हैं) को विदेशी आतंकवादी संगठन (फॉरेन टेररिस्ट ऑर्गेनाइजेशन) के तौर पर चिन्हित किया है।

देश के नागरिकों को गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सख्त हिदायत दी है

विदेश मंत्रालय ने जारी किया भारतीयों के लिए परामर्श

नई दिल्ली (ब्यूरो)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को अमेरिका द्वारा अगुवा करने के घटनाक्रम के बीच विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय नागरिकों के लिए एक परामर्श जारी किया है। जिसमें देश के नागरिकों को वेनेजुएला में अपनी तमाम गैर जरूरी यात्राओं से बचने की सख्त हिदायत दी है। साथ ही अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतते हुए अपनी आवाजाही ▶▶ शेष पेज 5 पर

केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने अंडमान-निकोबार की 373 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मोदी सरकार अंडमान-निकोबार को अंतरराष्ट्रीय स्कूबा डाइविंग डेस्टिनेशन बना रहीः अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने श्री विजयपुरम में तीन नए कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का लोकार्पण किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को श्री विजय पुरम में अंडमान एवं निकोबार सरकार की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, बंडी संजय कुमार, अंडमान एवं निकोबार के प्रशासक एडमिरल (सेवानिवृत्त) डी के जोशी और केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने श्री विजयपुरम में तीन नए कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का लोकार्पण भी किया। शाह ने कहा कि स्कूबा डाइविंग के ▶▶ शेष पेज 5 पर

बोस ने सबसे पहले तिरंगा यही फहराया

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इसी भूमि पर अंग्रेजों द्वारा बनाई गई सेलुलर जेल में आजादी के लिए संघर्ष करने वाले कई बलिदानी स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का लंबा समय काटा। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने यहां दम तोड़कर भारत के स्वतंत्रता संग्राम को मजबूती दी और कई वीर यहां फांसी के तख्ते पर लटका दिए गए। उन्होंने कहा कि आज सेलुलर जेल में बना वीर सावरकर का स्मारक और प्रज्वलित मशाल पूरी दुनिया को बता रही है कि यहां कई महान आत्माओं ने अपना बलिदान दिया था। शाह ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने सबसे पहले आजाद भारत की इसी भूमि पर तिरंगा फहराया था और उन्ही की स्मृति ▶▶ शेष पेज 5 पर

9 परियोजनाओं का लोकार्पण, 2 का शिलान्यास

उन्होंने कहा कि इसके तहत आज यहां नौ बड़ी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 2 परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है और एक ही दिन में 373 करोड़ रूपए के विकास के उपहार इस द्वीप समूह को मिले हैं। शाह ने कहा कि इन विकास परियोजनाओं में 229 करोड़ की लागत वाला एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केन्द्र शामिल है। उन्होंने कहा कि 33 करोड़ की लागत से ज़िला अस्पताल चरण-1 का लोकार्पण, फॉरेंसिक साइंस लैब का लोकार्पण और 50 करोड़ रूपए की लागत से 6 अन्य योजनाओं का लोकार्पण हुआ है। गृह मंत्री ने कहा कि आज इन विकास परियोजनाओं के माध्यम से हमारे द्वीप समूहों के विकास के एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है।

कानूनों का परिचय देने वाली प्रदर्शनी देखें

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज यहां तीन नए आपराधिक कानूनों का परिचय देने वाली एक प्रदर्शनी का भी शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को इस प्रदर्शनी को ज़रूर देखना चाहिए जिससे उन्हें आने वाले दिनों में आपराधिक न्याय प्रणाली में आने वाले आमूलचूल परिवर्तन और तकनीक को मिलने वाले कानूनी आधार के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि यहां के सभी वकीलों, युवा विद्यार्थियों, विशेषकर महिलाओं, को इसे ज़रूर देखना चाहिए।

पीएम ने पिपरहवा अवशेषों की प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं, उनके अवशेष पाकर हम सभी धन्य हो गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है।

आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और ▶▶ शेष पेज 5 पर

भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से यह साल दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव लेकर आए

पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है

2026 का मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम

उन्होंने कहा कि 2026 के शुरुआत में ही यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।

बुद्ध के पवित्र अवशेष हमारे आराध्य- सभ्यता के ही अंश

पीएम मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी ▶▶ शेष पेज 5 पर

दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत अनेक अपराधियों को किया अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने दिसंबर में 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत मध्य दिल्ली में झपटमारी, लूट, साइबर धोखाधड़ी और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में कथित तौर पर शामिल अनेक अपराधियों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक से 31 दिसंबर के बीच चलाए गए इस अभियान के परिणामस्वरूप लूट, झपटमारी, सेंधमारी, ऑटो-चोरी, जुआ, साइबर धोखाधड़ी और शस्त्र अधिनियम तथा स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत कई गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने कहा कि इस दौरान पुलिस ने झपटमारी के 19 मामलों को सुलझाया और 28 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इस दौरान 127 मोबाइल फोन, अपराध में इस्तेमाल किया गया एक ऑटो रिक्शा, तीन मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और 2,000 रुपये नकद बरामद किए गए। अधिकारी ने बताया कि डकैती के सात मामलों को सुलझाते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया और एक पर्स, आधार कार्ड तथा 3,770 रुपये नकद बरामद किए गए। चोरी व अन्य प्रकार की लूट के मामलों में पुलिस ने 36 मामले दर्ज किए और 25 लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने 19 मोबाइल फोन, एक एसयूवी कार, एक स्कूटर और लगभग 33 लाख रुपये के आभूषण बरामद किए।

इसने कहा कि चोरी के नौ मामलों में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और चांदी की चूड़ियां, अंगूठियां तथा एक कंगन बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई में वाहन चोरी के 19 मामले भी शामिल थे, जिनमें सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और दो स्कूटी, एक मोटरसाइकिल और नकदी बरामद की गई। इसने बताया कि हत्या के प्रयास के चार मामलों में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और अपराध में इस्तेमाल किए गए चाकू व एक टूटी बोतल जब्त की गई। पुलिस के मुताबिक, साइबर अपराध पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप साइबर धोखाधड़ी के 36 मामलों में 85 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसने बताया कि बरामदगी में 534 मोबाइल फोन, नकदी, 124 मदरबोर्ड, 138 मोबाइल बैटरी और 'मेड इन वियतनाम' मुद्रित 459 नकली आईएमईआई स्टिकर के साथ-साथ धोखाधड़ी से जुड़े डिजिटल साक्ष्य शामिल हैं। शस्त्र अधिनियम के तहत सात मामलों में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पिस्तौल, कारतूस और चाकू जब्त किए गए। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत 10 घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

वीजा व पासपोर्ट धोखाधड़ी मामला 2025 में 130 से अधिक आरोपी दबोचे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने वीजा और पासपोर्ट धोखाधड़ी के खिलाफ कार्रवाई के तहत पिछले साल 'ट्रैवल एजेंट' और दलालों सहित 130 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि दिल्ली पुलिस की आईजीआई (इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय) हवाई अड्डा इकाई ने अपनी तरह का पहला कदम उठाते हुए, अपराध से अर्जित धन संबंधी लेन-देन का पता लगाने के लिए आरोपियों के खिलाफ वित्तीय जांच भी शुरू की, जिसके परिणामस्वरूप संदिग्ध लेन-देन वाले 100 से अधिक बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। ये गिरफ्तारियां देश के विभिन्न हिस्सों से की गईं। यह कार्रवाई यात्रा संबंधी दस्तावेजों की जालसाजी करने, यात्रियों को धोखा देने और अवैध दस्तावेजों के आधार पर विदेश यात्रा का प्रबंध करने में शामिल एक संगठित नेटवर्क के खिलाफ की गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि जांच अधिकारियों को धोखाधड़ी के वित्तीय पहलुओं की विशेष रूप से जांच करने और धन के लेन-देन का पता लगाने का निर्देश दिया गया था।₹ पुलिस ने बताया कि आपराधिक गतिविधियों से प्राप्त धन से अर्जित संदिग्ध संपत्तियों की पहचान की जा रही है। उसने बताया कि एक मामले में आरोपी एजेंट की संपत्ति को कुर्क करने के लिए सक्षम न्यायालय में आवेदन दायर किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि अन्य एजेंट के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई शुरू की जा रही है। पुलिस ने फरार आरोपियों को देश से भागने से रोकने के लिए 2025 में 140 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी कराए। इसके परिणामस्वरूप, विदेश जाने का प्रयास कर रहे कई अपराधियों को हवाई अड्डों पर ही रोक लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप 119 घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जिनमें वे आरोपी भी शामिल हैं जो एक दशक से अधिक पुराने मामलों में वांछित थे। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल दलाली के 300 से अधिक मामले दर्ज किए गए जिसके परिणामस्वरूप 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। सामान की चोरी से संबंधित मामलों में 60 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।

रिहायशी इमारत में लगी आग

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में शनिवार को एक आवासीय इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि सुबह 10:50 बजे एक इमारत आग लगने की सूचना मिली।

उन्होंने कहा कि हमने दो दमकल गाड़ियां मौके पर भेजीं और पूर्वाह्न 11:50 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

पूर्वी दिल्ली में व्यक्ति पर चाकू से हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने 32 वर्षीय व्यक्ति को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल से सूचना मिली कि एक व्यक्ति को अस्पताल लाया गया है, जिसके शरीर पर घाव के निशान हैं। इसने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान दिल्ली के ओल्ड कोंडली निवासी जयप्रकाश के रूप में हुई है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस की टीम जब अस्पताल पहुंची तो पता चला कि प्रकाश को बेहतर इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि आरंभिक पूछताछ के दौरान प्रकाश ने कहा कि कोंडली पुल के निकट अज्ञात व्यक्ति ने उस पर हमला किया। उन्होंने बताया कि हालांकि प्रकाश का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने कहा कि घावों की गंभीरता की वजह से वह विस्तृत बयान देने की स्थिति में नहीं है। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित को गंभीर चोट लगी है।

पुलिस ने बताया कि चिकित्सा जांच रिपोर्ट और अब तक मिले तथ्यों के आधार पर, भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (1) (हत्या के प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसने कहा कि हमलावर की पहचान करने और घटनाक्रम का पता लगाने के लिए कोंडली पुल और आस-पास के रास्तों की सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जा रही है।

इंदौर की लापरवाही दिल्ली पहुँची, पानी के 33 सैंपल फेल, सरकार खेल रही है लोगों की जान सेः यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पीने के पांनी को लेकर रेखा गुप्ता सरकार पर बड़ा हमला बोला है। यादव ने आरोप लगाए कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर से शुरू हुई पीने के पानी की घोर लापरवाही दिल्ली तक पहुँच गइर है। उन्होंने कहा कि आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में विभिन्न जगह से उठाए गए पानी के 33 सैंपल फेल साबित हुए है। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के तहत 25 टेस्टिंग लेब होने के बावजूद सिर्फ 2 लैब ही ग्लोबल स्टैंडर्ड सर्टिफाईड है, जो दिल्ली की 3 करोड़ जनता के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। दिल्ली में दूषित जल सप्लाई के लिए भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार जिम्मेदार है। क्योंकि दिल्ली में लगातार गंदे पानी की सप्लाई की शिकायतों के बावजूद 11 से 18 दिसम्बर के बीच डीजेबी के शोधन संयत्रों से लिए गए सैंपलों में से 33 सैंपल स्वच्छ जल की शुद्धता में फेल पाए गए। जबकि भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर, नारंग कॉलोनी, चंदर नगर सहित कई क्षेत्रों में डीजेबी के गंदे पानी की सप्लाई से लोग बुरी तरह से परेशान है। यादव ने कहा कि इंदौर में दो दिन पहले दूषित पानी की सप्लाई के कारण लगभग 15 लोगों की मौत पर भाजपा नेता पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है,। जबकि 200 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि यदि रेखा गुप्ता अपनी कुंभकरणीय नींद से नहीं जागी तो इंदौर जैसी परिस्थितियां राजधानी दिल्ली में भी बन सकती है। क्योंकि डीजेबी पीने के पानी और गंदे पानी की टेस्टिंग लैब एक्रेडिटेशन के मामले पिछड़ा हुआ है। केवल 25 टेस्टिंग लैब में सिर्फ 2 लैब हैदरपुर और वजीराबाद की टेस्टिंग लैब ही ग्लोबल स्टैंडर्ड सर्टिफाईड है। जबकि डीजेबी लैब ने अक्टूबर में अपना एक्रेडिटेशन खो दिया था, जिसके कारण दिल्ली में सही मॉनिटरिंग और पब्लिक हेल्थ को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। यादव ने कहा कि बोर्ड के पास 100 प्रतिशत टेस्टिंग लैब के एक्रेडिटेशन होने पर कोई परिपक्व जवाबदेही क्यों नही है। जबकि दिल्ली का एक्रेडिटेशन रेट मात्र 8 प्रतिशत है वही केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार दिसम्बर 4 के अनुसार तमिलनाडू, त्रिपुरा, सिक्किम और नागालैंड में 100 प्रतिशत पब्लिक लैब एक्रेडिटेड है।

अदालत ने 2017 में हुई हत्या के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने एक व्यक्ति को 2017 में आनंद विहार आईएसबीटी में देर रात हुए झगड़े के दौरान एक युवक की लाठी से पीट-पीटकर हत्या करने का दोषी ठहराया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरविंदर सिंह ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने शंकर लाल के खिलाफ आरोपों को संदेह से परे जाकर साबित किया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, बलबीर सिंह की हत्या करने के आरोप में शंकर लाल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अभियोजन पक्ष का कहना है कि 27 नवंबर, 2017 को रात लगभग 1.15 बजे आईएसबीटी आनंद विहार के प्रवेश द्वार के पास शंकर लाल ने कहासुनी के बाद एक अस्थायी बैरिकेड से बांस उठाकर बलबीर सिंह के सिर पर वार किया। पहले वार के बाद बलबीर सिंह गिर पड़ा और जमीन पर पड़े रहने के दौरान उस पर उसने दोबारा वार किया। चिकित्सा और फॉरेंसिक साक्ष्यों पर भरोसा करते हुए, न्यायाधीश ने कहा कि पोस्टमार्टम से पता चलता है कि बलबीर सिंह की मृत्यु सिर पर किसी भारी वस्तु से चोट लगने के कारण हुई थी। अदालत ने बचाव पक्ष के इस तर्क को खारिज कर दिया कि बलबीर सिंह कथित तौर पर नशे में था, गिरने के कारण घातक चोटों का शिकार हुआ था। अदालत ने कहा कि चोटों की प्रकृति और संख्या ऐसी संभावना को नकारती है। अदालत सात जनवरी को सजा सुनायेगी।

एटीएम धोखाधड़ी और अवैध आग्नेयास्त्र रखने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में एटीएम धोखाधड़ी और अवैध आग्नेयास्त्र रखने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों की पहचान सलमान के रूप में हुई है। आरोपियों ने 'एटीएम जैमिंग' नामक विधि का उपयोग करके धोखाधड़ी की। उन्होंने बताया कि वे एटीएम मशीन के अंदर धातु की छोटी क्लिप लगा देते थे, जिससे ग्राहक के बैंक खाते से नकदी नहीं निकलती थी। इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''ग्राहक इसे तकनीकी खराबी समझकर और बैंक से धन वापसी की उम्मीद में एटीएम से चले जाते थे। आरोपी बाद में जाम करने वाला उपकरण हटाकर अंदर फंसी नकदी ले जाते थे।'' पुलिस के अनुसार, ऐसी गतिविधियों के दौरान अपनी सुरक्षा के लिए आरोपियों ने अवैध हथियार रखे हुए थे। उनके पास से एक देसी पिस्तौल, दो कारतूस, 12,700 रुपये नकद, चार एटीएम जाम करने वाले उपकरण और एटीएम के शटर तोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पेचकस बरामद किया गया। नियमित गश्त के दौरान एक जनवरी को पुलिस ने किशनगढ़ इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति को घूमते हुए देखा। पुलिसकर्मियों को देखते ही उस व्यक्ति ने भागने की कोशिश की लेकिन उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि किशनगढ़ थाने में शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और सलमान पुत्र कबीर को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। इसने कहा कि पूछताछ के दौरान, आरोपी ने एटीएम धोखाधड़ी के मामलों में अपनी संलिप्तता का खुलासा किया और अपने सहयोगी सलमान पुत्र उस्मान की पहचान बताई, जिसने कथित तौर पर उसे अवैध हथियार मुहैया कराए थे। इस सूचना के आधार पर पुलिस दल ने सह-आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से दो कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि इसी तरह के अन्य मामलों में उनकी संलिप्तता का पता लगाने और अवैध हथियारों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

लालकिला विस्फोटः अदालत ने मल्ला को 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने 10 नवंबर को लालकिले के पास हुए विस्फोट मामले के आरोपियों में से एक डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को 16 जनवरी तक 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को मल्ला को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। मल्ला को 26 दिसंबर को आठ दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा गया था और एजेंसी ने उसकी हिरासत अवधि समाप्त होने पर उसे अदालत में पेश किया। मीडियाकर्मियों को कार्यवाही कवर करने से रोक दिया गया था। आरोपी को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने मल्ला को 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने नौ दिसंबर को मल्ला को दिल्ली में गिरफ्तार किया था और उसे साजिश का मुख्य आरोपी बताया था। एनआईए की जांच के अनुसार, मल्ला ने जानबूझकर डॉ. उमर-उन-नबी को रसद संबंधी सहायता प्रदान की थी। नबी आत्मघाती हमलावर था, जो वह विस्फोटक से भरी आई20 कार चला रहा था जिसमें 10 नवंबर को लालकिले के बाहर हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। एजेंसी ने नौ दिसंबर को बताया कि मल्ला पर आतंकवादी हमले से संबंधित सबूतों को नष्ट करने का भी आरोप है। एनआईए ने इस मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन डॉक्टर - मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीन सईद और एक धार्मिक उपदेशक मौलवी इरफान अहमद वागे शामिल है। अन्य पांच में मल्ला, अमीर राशिद अली, सोयब, जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश और यासिर अहमद डार शामिल हैं।

अंतर्राज्यीय हथियार तस्कर गिरफ्तार, दो पिस्तौल बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नगर के शास्त्री पार्क इलाके से हथियारों के एक कथित तस्कर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी के पास से दो अत्याधुनिक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद किए गए हैं। अधिकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी अंकित (26) उर्फ मुन्ना के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर एक अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़ा है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि जेल से छूटने के बाद उसने अवैध हथियारों का धंधा शुरू किया और वह दिल्ली-एनसीआर में हथियारों की आपूर्ति कर रहा था। उसने यह भी बताया कि दो 'सोनू उर्फ काले' नामक एक अन्य तस्कर से हथियार मिलता था।

पुलिस के अनुसार, अंकित एक आदतन अपराधी है जिसके खिलाफ पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या, लूटपाट, शस्त्र अधिनियम का उल्लंघन और उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज अपराध शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने बताया कि दो जनवरी को शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन के पास एक हथियार तस्कर के आने की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध वहां ऑटो-रिक्शा से पहुंचा और मुखबिर की निशानदेही पर उसकी पहचान की गई। उसने गिरफ्तारी से बचने का प्रयास किया लेकिन उसे पकड़ लिया गया।₹ पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान उसके पास से दो अत्याधुनिक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद हुए। इस संबंध में शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है।

एमसीडी को घाटे का रोना छोड़कर आय के स्रोतों पर देना चाहिए ध्यान : पार्षद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- दिल्ली नगर निगम में विज्ञापन, पार्किग विभाग की नीति पर सवाल

दिल्ली के निगम पार्षदों ने बजट बैठकों में चर्चा के दौरान निगम की आय बढ़ाने पर जोर दिया है। कई पार्षदों ने कहा कि दिल्ली नगर निगम कब तक घाटे का रोना रोता रहेगा, निगम को खुद ही आय के स्रोतों पर ध्यान देना होगा। गत दिनों जोन वार्ड समिति के अध्यक्षों ने बजट की विशेष बैठकों में विज्ञापन, पार्किंग, पार्कों में भोजन के स्टाल लगाने, तहबाजारी पारदर्शी नीति से संचालित की जाए, आदि विषयों पर बेहतर सुझाव दिए। शाहदरा साउथ जोन में वार्ड समिति के अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा ने बताया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) राजधानी की जनता से सीधे जुड़ा वह निकाय है, जहां शहर की अधिकांश बुनियादी समस्याएं सबसे पहले पार्षदों तक पहुंचती हैं। बावजूद इसके, हर वित्तीय वर्ष में पेश होने वाले निगम बजट में आय के बजाय घाटे की तस्वीर ही सामने आती है।

विपक्ष के कुछ पार्षदों ने बताया कि सवाल यह है कि जब निगम के पास आय के बड़े और स्थायी स्रोत मौजूद हैं, तो फिर घाटा क्यों? पार्षदों ने बताया कि निगम की आय के प्रमुख माध्यमों में से एक विज्ञापन, पार्किंग विभाग, सम्पत्ति कर विभाग है। पार्षदों का मानना है कि राजधानी जैसे महानगर में प्रचार और विज्ञापन की अपार संभावनाएं हैं, जिनका सही और पारदर्शी उपयोग कर निगम अपनी आर्थिक स्थिति को काफी हद तक सुधार सकता है।

वाहन चालक बोले, दिल्ली सरकार कब देगी यहां ध्यान

हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के निकट मुख्य मार्ग बन रहा प्रदूषण का कारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के मुकरबा चौक से मधुवन चौक की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास बदहाली से जूझ रहा है। लोगों का कहना है कि यह बदहाल मार्ग इन दिनों सरकार और अधिकारियों की लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बना हुआ है। इस बदहाल सड़क ने न केवल यातायात व्यवस्था को चरमरा दिया है, बल्कि धूल प्रदूषण के जरिए आसपास के इलाकों में सांस लेना भी दूभर कर दिया है। उबड़-खाबड़ हुई सड़क पर चलते वाहन धूल के गुबार उड़ा रहे हैं, जिससे प्रदूषण स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय वाहन चालकों और यात्रियों का कहना है कि इस मार्ग पर आम जन से लेकर बड़े बड़े अधिकारी तक आते जाते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी यहां मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर शिकायतें की गईं, लेकिन सरकार और संबंधित विभागों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। कुछ दिनों पहले सड़क का एक हिस्सा टूटने भी लगा था जिसके बाद हरकत में आने के बाद उस हिस्से पर अस्थायी तौर से दुरूस्त किया गया लेकिन इन दिनों इस मार्ग पर हादसे का खतरा और बढ़ गया है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे हैं।

बड़े-बड़े दावों से दूर नहीं हो रहा प्रदूषण

चालकों का आरोप है कि एक ओर दिल्ली सरकार पिछले दो महीनों से प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर इस प्रमुख मार्ग की अनदेखी कर खुद प्रदूषण को बढ़ावा दिया जा रहा है। धूल के कारण न सिर्फ वाहन चालकों को परेशानी हो रही है, बल्कि आसपास रहने वाले लोग भी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

इस मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए

स्थानीय लोगों और यात्रियों ने दिल्ली सरकार से मांग की है कि इस मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए और स्थायी समाधान निकाला जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह सड़क किसी बड़े हादसे को दावत दे सकती है। लोगों ने दिल्ली सरकार से निवेदन किया है कि दिल्ली सरकार और प्रशासन जमीनी हकीकत पर ध्यान देकर इस मार्ग को बेहतर बनाए ताकि प्रदूषण पर नियंत्रण लग सके।

दक्षिण दिल्ली में चोरी के आरोप में तीन लोग पकड़े

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली में एक बुजुर्ग महिला के घर में कथित तौर पर चोरी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से चोरी के आभूषण, नकदी और स्कूटर बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत 30 लाख रुपये से अधिक है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान इशाक उर्फ कलुआ (24), पवन (26) और भरत उर्फ विक्की (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पवन और भरत अंबेडकर नगर पुलिस थाना क्षेत्र के सक्रिय 'बदमाश' हैं।

उनके अनुसार, यह मामला एक जनवरी को हुई एक चोरी से संबंधित है, जब एक बुजुर्ग महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि सुबह बाहर से घर लौटने पर उसने मुख्य द्वार का हैंडल टूटा हुआ पाया और घर का सामान बिखरा पड़ा था। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि सोने-चांदी के आभूषणों और नकदी के रूप में उनकी जीवन भर की बचत गायब पाई गई। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

पुलिस ने बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर, तीनों आरोपियों को साकेत के पुष्प विहार इलाके में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे चोरी के स्कूटर पर सवार होकर चोरी के गहने और नकदी ले जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि आरोपी की अन्य इसी तरह के मामलों में संलिप्तता की पुष्टि करने के प्रयास जारी हैं।

खबर संक्षेप

सोनिया विहार जल संयंत्र में मरम्मत के चलते जलापूर्ति रहेगी बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सोनिया विहार जल शोधन संयंत्र में जरूरी मरम्मत कार्य के चलते संबंधित दर्जनों कॉलोनियों में दो दिन पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। डीजेबी के अनुसार सोनिया विहार संयंत्र से साउथ दिल्ली मेन में पानी की आपूर्ति 5 जनवरी 2026 से 6 जनवरी 2026 सुबह तक जलापूर्ति नहीं होगी। ऐसे में संबंधित उपभोक्ताओं से अपील है कि वह जरूरत के अनुसार पहले ही पानी भरकर रख लें।

प्रदेश कार्यालय में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने की जनसुनवाई

नई दिल्ली। भाजपा के संगठन का मूल आधार सेवा और समर्पण है जो केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए सतत रूप से कार्य करने वाला संगठन है। केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने जनसेवा और जनसंवाद को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद यह बाते साझा की। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई में स्वयं उपस्थित रहकर राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएँ विस्तार पूर्वक सुनीं और समस्याओं को त्वरित समाधान करने का प्रयास किया। दिल्ली भाजपा सहयोग प्रकोष्ठ के अनुसार शनिवार को कुल 38 विभिन्न समस्याओं को लेकर सुनवाई हुई। जन सुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने बिजली आपूर्ति, जल संकट, सीवर जाम, क्षतिग्रस्त सड़कों, साफ-सफाई की बदहाल स्थिति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में देरी, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, राशन कार्ड एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित अपनी शिकायतें रखीं। नागरिकों ने लंबे समय से लंबित समस्याओं को सीधे जनप्रतिनिधि के समक्ष रखकर समाधान की उम्मीद जताई।

मुख्यमंत्री ने गरीबों को नए वर्ष पर दिया उपहार

दिल्ली सरकार एएवाई कार्डधारकों को 15 महीने मुफ्त देगी पैक्ड चीनी : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के अंतर्गत सभी कार्डधारकों को जनवरी 2026 से मार्च 2027 तक (कुल 15 महीनों के लिए) मुफ्त चीनी मिलेगी। नए वर्ष पर दिल्ली की गरीब और वंचित आबादी को बड़ा उपहार देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

इस संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि इस निर्णय के तहत दिल्ली के सभी एएवाई लाभार्थियों को हर महीने एक किलो चीनी सही और मानक ब्रांडिंग वाले पैकेट में निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। यह योजना दिल्ली सरकार की गरीब-हितैषी नीतियों की दिशा में एक और ठोस कदम है, जिससे सबसे कमजोर वर्ग को

खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ गुणवत्तायुक्त सामग्री भी सुनिश्चित होगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार वर्तमान में उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खुली चीनी वितरित की जाती है, जिससे धूल-मिट्टी, नमी, कीटाणुओं और कम तौल जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अब एक किलो के पैक्ड और ब्रांडेड पैकेट में चीनी उपलब्ध कराए जाने से न केवल मात्रा की सटीकता सुनिश्चित होगी, बल्कि स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण और उपयोग में भी सुविधा मिलेगी।

65 हजार 883 एएवाई परिवारों को मिलेगा फायदा

कैबिनेट के निर्णय के अनुसार दिल्ली में कुल 65 हजार 883 एएवाई परिवार इस योजना के दायरे में आएंगे, जिन्हें प्रति कार्ड प्रति माह एक किलो चीनी दी जाएगी। जब तक ब्रांडेड पैकेट के लिए नया टेंडर अंतिम रूप से स्वीकृत नहीं हो जाता, तब तक मौजूदा व्यवस्था के तहत चीनी का वितरण जारी रहेगा, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दिल्ली सरकार लगातार गरीबों और वंचित वर्गों के लिए कर रही है कार्य

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य कर रही है, जिसमें उन्होंने हमेशा गरीबों के कल्याण की सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। दिल्ली सरकार इसी विजन को धरातल पर उतारते हुए लगातार गरीबों और वंचित वर्गों के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार इसी संकल्प के तहत अटल कैंटीन के माध्यम से सस्ती और पौष्टिक भोजन की व्यवस्था, गरीब परिवारों के लिए पक्के मकानों की उपलब्धता, मुफ्त राशन, स्वास्थ्य सुविधाएं आदि शामिल हैं। दिल्ली सरकार का स्पष्ट मत है कि कोई भी जरूरतमंद नागरिक बुनियादी सुविधाओं से वंचित न रहे।

राजधानी को कोहरे से नहीं मिल रही निजात

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली को कोहरे से अब भी निजात नहीं मिल रही है जिसके चलते हवाई से लेकर सड़क यातायात तक प्रभावित रहा। शनिवार को भी कोहरे के कारण इंदिरा गांधी इंटरनेशनल हवाई (आईजीआई) अड्डा पर दर्जनों उड़ाने बुरी तरह प्रभावित हुई।

प्राप्त जानकारी अनुसार शुक्रवार देर से कोहरे का बढ़ना शुरू हुआ जो शनिवार प्रातः काल तक बना रहा। कोहरे के चलते लगभग कई उड़ानें प्रभावित हुई और करीब 80 से अधिक ट्रेनें लेट हुई। जबकि सड़क परिवहन को कुछ राहत जरूर मिली लेकिन सुबह सुबह के समय कोहरे ने अपना असर दिखाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी जारी की थी कि शनिवार को भी कोहरा परेशान कर सकता है।

ताजा अनुमान में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए अनुमान जताया है कि वीकेंड यानी रविवार की सुबह दिल्ली के कई क्षेत्रों में घना कोहरा हो सकता है। जबकि कई क्षेत्रों में हालात सामान्य जैसे रह सकते है।

'अवैध मीट की दुकानों पर सख्ती, वार्ड समिति अध्यक्ष ने दिए हटाने के अल्टीमेटम'

सिविल लाइन जोन का मामला : दो से तीन दिन में खुद हटा लें, वरना होगी कड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की अवैध दुकानों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम के सिविल लाइन जोन में अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसने की दिशा में कदम उठाते हुए वार्ड समिति के अध्यक्ष गुलाब सिंह राठौर ने जहांगीरपुरी इलाके का निरीक्षण करने के दौरान अवैध कब्जा किए बैठे दुकानदारों को साफ शब्दों में यह चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़कों, चौराहों और गलियों में अवैध रूप से संचालित मीट की दुकानों पर

कड़ा रुख अपनाया। वार्ड समिति अध्यक्ष गुलाब सिंह राठौर ने मौके पर मौजूद अवैध रूप से दुकानें लगाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए निर्देश दिए कि वे अगले 2 से 3 दिनों के भीतर स्वयं अपने अवैध ठिए और दुकानें हटा लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि तय समय सीमा में सामान नहीं हटाया गया, तो दिल्ली नगर निगम प्रशासन स्वयं कार्रवाई करेगा, सामान जब्त किया जाएगा और संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कदम उठाए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने भी निगम की इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे इलाके में साफ-सफाई और व्यवस्था बेहतर होगी। अब देखना यह है कि तय समय सीमा के बाद निगम प्रशासन किस हद तक सख्ती दिखाता है और क्या जहांगीरपुरी की सड़कों को अवैध मीट दुकानों से स्थायी राहत मिल पाती है या नहीं।

अतिक्रमण से पैदल चलने वालों को भी होती है परेशानी

वार्ड समिति अध्यक्ष राठौर ने कहा कि अवैध मीट दुकानों के कारण न केवल यातायात और पैदल चलने वालों को परेशानी होती है, बल्कि स्वच्छता, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं भी पैदा होती हैं। निगम का उद्देश्य क्षेत्र में व्यवस्था, स्वच्छता और नागरिकों को सुरक्षित माहौल देना है। वार्ड समिति अध्यक्ष ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि तय समय सीमा के बाद अभियान चलाकर अवैध दुकानों को हटाया जाए, ताकि भविष्य में दोबारा इस तरह की गतिविधियां न हों।

डीडीए ने लांच की हाईट टावरिंग योजना टू

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर शामिल किए कुल 843 फ्लैट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 3 जनवरी 2026 को हाईट टावरिंग योजना टू को लांच किया। इस योजना में डीडीए ने कुल 843 दो बीएचके फ्लैट पहले आओ पहले पाओ के आधार पर शामिल किए है। इसमें दो श्रेणी, पहली व्यक्तिगत खरीदारों के लिए और दूसरी श्रेणी सरकारी संस्थानों को बल्क (थोक) आवंटन के लिए तय की गई।

डीडीए द्वारा दी गई जानकारी अनुसार व्यक्तिगत खरीदारों के लिए इस योजना के तहत, कुल 741 फ्लैट व्यक्तिगत यानी खुदरा खरीदारों के लिए रखे गए है। जबकि इसके अलावा आरएच-02 ब्लॉक टावरों में स्थित पीर पंजाल, विंध्य, शिवालिक और सतपुड़ा के नाम से

कुल 107 फ्लैटों को सरकारी संस्थानों को थोक में आवंटन के लिए आरक्षित किया हैं। बुकिंग के लिए डीडीए के आवास पोर्टल पर पंजीकरण के लिए एक बार का पंजीकरण शुल्क 2,500 रुपये रखा गया है।

जबकि जो आवेदक पहले से ही आवास पोर्टल पर पंजीकृत हैं, उन्हें पंजीकरण शुल्क दोबारा देने की आवश्यकता नहीं होगी। प्रत्येक फ्लैट के लिए बुकिंग राशि 4 लाख रुपये रखी है। इस योजना में खुदरा श्रेणी के तहत एक आवेदक कितने भी मतलब एक से अधिक फ्लैट बुक कर सकता है। लेकिन बुकिंग राशि वापस नहीं की जाएगी और यदि आवेदक द्वारा फ्लैट सफलतापूर्वक बुक किया जाता है, तो इसे फ्लैट के निपटान मूल्य के मुकाबले समायोजित किया जाएगा। डीडीए ने बताया कि दूसरी श्रेणी में सरकारी संस्थानों को थोक आवंटन के लिए एक आवेदन को बल्क खरीद माना जाएगा जिसमें यदि आवश्यकता न्यूनतम दस फ्लैट शामिल है। बल्क आवंटन के लिए सरकारी संस्थानों केंद्र व राज्य सरकार के मंत्रालय और विभाग, केंद्र तथा राज्य सरकार के विश्वविद्यालय, केंद्र एवं राज्य सरकार के संगठन, उपक्रम और पीएसयू और केंद्र तथा राज्य स्वायत्त निकाय शामिल है।

एनडीएमसी के सुविधा कैंप में 54 शिकायतें समाधान के लिए मिलीं

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने जय सिंह मार्ग स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में अपना मासिक सुविधा कैंप सफलतापूर्वक लगाया। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस सुविधा कैंप में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें 54 शिकायतें औपचारिक रूप से मिलीं और संबंधित अधिकारियों ने उन्हें सुलझाया। एनडीएमसी प्रशासन ने बताया कि कैंप का मकसद पालिका परिषद क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपभोक्ताओं को जानकारी देना, सुविधा देना और लोगों की शिकायतों का तुरंत हल करना था। बताया गया कि इस सुविधा कैंप में ज्यादातर मुद्दे कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, जनस्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्य, टैक्स और सम्पदा विभाग से जुड़े थे। इसके अलावा, सैकड़ों निवासी और सेवा उपभोक्ता, एनडीएमसी की कई तरह की सिविक सर्विस के बारे में जानकारी और मार्गदर्शन लेने के लिए कैंप में आए। बताया गया कि एनडीएमसी प्रशासन ने ज़िम्मेदार और पारदर्शी नागरिक प्रशासन की अपनी प्रतिबद्धता को कैंप के माध्यम से मज़बूत किया।

गरीबी का मजाक उड़ा रहे हैं सूद : आप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री आशीष सूद कच्ची कॉलोनियों से आने वाले विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार की गरीबी का मजाक बना रहे है। 'आप' दिल्ली के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एकमात्र अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी है, जिन्होंने कच्ची कॉलोनियों और आम घरों के युवाओं को राजनीति में मौका देकर विधायक-मंत्री बनाया, लेकिन भाजपा उन्हें 'छोटे लोग' और छोटे इलाकों से बता कर अपमानित कर रही है।

हमें गर्व है कि चार बार से विधायक संजीव झा कच्ची कॉलोनी में किराए पर रहते हैं और दो बार से विधायक कुलदीप कुमार भी कच्ची कॉलोनी में रहते हैं। पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रैसवार्ता में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि संजीव झा बुराड़ी की कच्ची कॉलोनी में किराए के मकान में रहते हैं। इसी तरह कुलदीप कुमार भी कल्याणपुरी की कच्ची कॉलोनी में रहते हैं। सौरभ ने कहा कि लोग इन्हें कच्ची कॉलोनी कहते थे, यहां तक तो

ठीक था। लेकिन एक दिन पहले भाजपा के घमंडी मंत्री आशीष सूद ने अपने घमंड में चूर होकर इन लोगों और इनकी गरीबी पर तंज कसा। उनके मन में कच्ची कॉलोनियों के प्रति कितनी घृणा और नफरत थी, वे उस पूर्वाग्रह को छिपा नहीं पाए। उन्होंने बहुत घमंड में चूर होकर कहा कि छोटे-छोटे इलाकों से आने वाले लोग राष्ट्रीय प्रवक्ता बनकर घूम रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमारे विधायक छोटे इलाकों से जरूर आए हैं, लेकिन ये पढ़े-लिखे लोग हैं। इनके माता-पिता ने मेहनत-मजदूरी करके इन्हें पढ़ाया-लिखाया और इस काबिल बनाया कि आज ये विधायक बन गए। इस प्रैसवार्ता में आप के विधायक संजीव झा, कुलदीप कुमार और पूर्व विधायक ऋतुराज उपस्थित थे।

ओछी बयानबाजी की राजनीति करने में लग गये हैं आप नेता : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली के लिए यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि 11 साल से सत्ता में दिल्ली का विकास ठप्प कर केवल भ्रष्टाचार की राजनीति करने वाले आम आदमी पार्टी अब जब विपक्ष में हैं तो ओछी ब्यानबाजी की राजनीति करने में लग गये हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को आप नेताओं पर निशाना साधते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि फरवरी से नवम्बर तक "आप" नेताओं ने झूठी नकारात्मक राजनीतिक ब्यानबाजी की और उसी के चलते दिल्ली वालों ने दिल्ली नगर निगम के उपचुनावों में 12 में से 7 सीट पर भाजपा को विजय बनाया और आप नेताओं की 8 माह की झूठ की राजनीति को नकारा।

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने किया अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों का अनावरण

राजनीति सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का है पवित्र दायित्व : राजनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजनीति सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का पवित्र दायित्व है। लोकतंत्र तभी स्थायी रहता है, जब वह चरित्र, नैतिकता और सत्यनिष्ठा से निर्देशित हो। यह बात केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों के अनावरण पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि दोनों नेता नैतिक ईमानदारी, लोकतांत्रिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के सर्वोच्च मानक स्थापित करते हैं, और उनका सार्वजनिक आचरण आज भी नैतिक राजनीति, उद्देश्य की एकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने में मार्गदर्शक है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जब राष्ट्र अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी मना रहा है, ऐसे समय में इस ऐतिहासिक सदन में अटल बिहारी वाजपेयी और महामना मालवीय के चित्रों का अनावरण विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधान सभा केवल एक भवन नहीं, बल्कि वह जीवंत संस्था है जहाँ विचार, विमर्श और संवाद के माध्यम से भारत की लोकतांत्रिक चेतना का विकास हुआ है। स्वतंत्रता से पूर्व ही सरदार विठ्ठलभाई पटेल, गोपाल कृष्ण गोखले, मोतीलाल नेहरू और पंडित मदन मोहन मालवीय जैसे नेताओं ने इन्हीं लोकतांत्रिक मंचों पर भारत की वैचारिक आधारशिला रखी। यह अवसर केवल दो महान व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नैतिक राजनीति, शिक्षा आधारित राष्ट्र निर्माण, संसदीय गरिमा और जनसेवा जैसे शाश्वत मूल्यों की पुनः पुष्टि है।

विधानसभा परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता,

दिल्ली मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, पत्रकार एवं पद्म भूषण सम्मानित राम बहादुर राय, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, विधायकगण, पार्षद, पूर्व सांसद, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, गणमान्य अतिथि एवं अधिकारीगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार एवं इतिहासकार गुंजन अग्रवाल द्वारा लिखित कॉफी टेबल बुक 'भारत माता' का विमोचन रक्षा मंत्री द्वारा किया गया।

इसके उपरांत दोनों भारत रत्न विभूतियों के जीवन और योगदान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री 'संसदीय पथ के आलोक स्तंभ' का प्रदर्शन भी किया गया।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस दिन को विधानसभा के लिए गौरव और हर्ष का क्षण बताते हुए कहा कि दोनों भारत रत्न विभूतियां, जो 25 दिसंबर को जन्मी थीं, उन्हें 25 दिसंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त रूप से भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

एसआईआर को लेकर दिल्ली कांग्रेस ने प्रशिक्षण कार्यशाला की आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मतदाताओं की असल पहचान को लेकर दिल्ली में होने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बीएलए-1 के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में आयोजित हुई विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में एसआईआर के नाम पर वोट चोरी को रोकने के लिए क्या करना है और कैसे करना है को लेकर जानकारी दी। इस बारे में प्रदेश अध्यक्ष यादव ने बताया कि अब दिल्ली में भी एसआईआर होने जा रही है। ऐसे में कांग्रेस लोगों के वोटों के साथ षड्यंत्र नहीं होने देगी। इसलिए दिल्ली कांग्रेस ने अपने बीएलए-1 को विशेष प्रशिक्षण दिया है। इसमें एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर किसी भी दलित, अल्पसंख्यक, पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले निम्न वर्ग के नागरिकों तथा कानूनी रूप से वैध मतदाताओं के वोट किसी भी हालत में काटे जाने से बचाने की ट्रेनिंग दी है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह रहा कि एसआईआर के दौरान मतदाता किस प्रकार अपने नाम को सुरक्षित रख सकते हैं तथा यदि किसी कारणवश नाम कटने की स्थिति बनती है, तो उसे पुनः मतदाता सूची में कैसे जुड़वाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

गौकशी के मामले में आरोपी धराया

फरीदाबाद। गौकशी के मामले में 20 महीनों से फरार चल रहे आरोपी को संजय कालोनी चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 30 मई 2024 को पुलिस चौकी संजय कालोनी की टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति सरूरपुर से मादलपुर रोड पर रात के समय गाय को गौकशी के लिये लेकर जा रहे है। कार्रवाई करते हुए एक आरोपी आरिफ को मौका से काबू किया गया था।

अलग-अलग मामलों में तीन आरोपी पकड़ाएं

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, पुलिस की क्राईम ब्रांच की टीमों ने अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 देसी कट्टे बरामद किए है। सभी आरोपियों को माननीय न्यायलय मे पेश कर जेल भेजा गया है।

घर में चोरी करने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। घर में घुसकर चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुये क्राईम ब्रांच सेक्टर 85 की टीम ने आकाश व लोकेश दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आदि निवासी एनआईटी फरीदाबाद ने थाना कोतवाली में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसका नेहरु ग्राउण्ड में एक घर है उसका परिवार काफी समय से उस घर में नही रह रहा था। वह घर की देखभाल के लिये पहुंचा तो पाया की कोई अज्ञात व्यक्ति उसके घर में रखा सामान चोरी करके ले गया।

प्रधान श्याम सुंदर मुथरेजा विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

विश्व हिंदू परिषद के संगठनात्मक ढांचे को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हनुमान मंदिर एन.एच.दो के ब्लॉक के प्रधान श्याम सुंदर मुथरेजा को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार (पूर्व न्यायाधीश) से विचार-विमर्श और सलाह के बाद की गई।

नियुक्ति की घोषणा होते ही संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं और समाज के विभिन्न वर्गों में खुशी की लहर दौड़ गई और बधाई देने वालों का तांता लग गया।

संगठन में उत्साह, बधाई देने वालों का लगा तांता

जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने पर श्याम सुंदर मुथरेजा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उसका पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू समाज को संगठित करना, सामाजिक समरसता को मजबूत करना और धार्मिक मूल्यों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। इस अवसर पर संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों में भीमचंद गोयल (विभाग अध्यक्ष), सीमा शर्मा (क्षेत्र संयोजिका), राजकुमार मदन (जिला मंत्री, विश्व हिंदू परिषद) और पंकज अरोड़ा (प्रखंड अध्यक्ष) प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी ने विश्वास जताया कि मुथरेजा के नेतृत्व में संगठन जिले में और अधिक सक्रिय व प्रभावी भूमिका निभाएगा। उल्लेखनीय है कि पेशे से ट्रांसपोर्टर श्याम सुंदर मुथरेजा बचपन से ही धर्म और समाज सेवा से जुड़े रहे हैं। वे पिछले चार वर्षों से सिद्ध पीठ हनुमान मंदिर-2 के अध्यक्ष पद पर रहकर धार्मिक गतिविधियों का सफल संचालन कर रहे हैं। विभिन्न धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है। श्रीराम रथ यात्रा की शुरुआत में भी उन्होंने संस्थापक की भूमिका निभाकर संगठनात्मक क्षमता का परिचय दिया। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष के रूप में श्याम सुंदर मुथरेजा की नियुक्ति को संगठन के लिए नई ऊर्जा और दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है।

परीक्षा में आठवां रैंक हासिलकर हिमांशी ने हरियाणा का नाम रोशन किया

यूपीएससी सीडीएस आर्मी में ऑल इंडिया 8वां रैंक लेने पर हिमांशी को किया सम्मानित

» *सरपंच सुंदर लाल यादव ने हिमांशी को बताया हरियाणा का गौरव*

» *बेटियों को अच्छी शिक्षा देकर समाज में मुख्यधारा में लाने की अपील*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मानेसर नगर निगम से भाजपा के प्रत्याशी रहे सरपंच सुंदर लाल यादव ने यूपीएससी (सीडीएस आर्मी) की परीक्षा में आठवां रैंक हासिल करने वाली हिमांशी को ग्रामीणों के साथ सम्मान किया। उन्होंने कहा कि हिमांशी ने हरियाणा की देश में नाम रोशन किया है।

इतना अच्छा रैंक लेकर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि बेटियों को समाज और परिवार जब सहयोग देता है तो वे हर स्तर पर नाम रोशन कर सकती हैं। ग्रामीणों ने भी हिमांशी को आशीर्वाद देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। मेजर

नवीन कुमार की होनहार बेटी हिमांशी को सेक्टर-82 स्थित सरपंच सुंदर लाल यादव के कार्यालय पर आमंत्रित किया गया। उन्हें सरपंच सुंदर लाल यादव, समाजसेवी संजय यादव, विजयपाल सरपंच, रविंद्र भारद्वाज, ओमप्रकाश महलावत, सतीश यादव, कर्मबीर यादव, दिव्या यादव, भूमि यादव, भारती यादव, प्रीति जोशी, राजीव, रमेश यादव, शशि यादव, नरेश यादव सहित अनेक ग्रामीणों ने यूपीएससी (सीडीएस आर्मी) में ऑल इंडिया स्तर पर आठवां रैंक लेने पर हिमांशी को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया गया। हिमांशी मार्च 2026 में एकेडमी ज्वाइन करेगी। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि बेटियों को ना केवल पैदा करके, बल्कि उन्हें अच्छी शिक्षा दी जाती है तो वे हर स्तर पर हमारा नाम रोशन करती हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का आह्वान हरियाणा में प्रभावी नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सरकार के प्रयासों से हमारे यहां पर बेटे-बेटी के अनुपात में काफी समानता हो गई है।

आने वाले समय में बेटे और बेटियों को अनुमान बराबरी पर आ जाएगा। सरकार की ओर से बेटियों, महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं से अब हमारे यहां पर बेटियों को जन्म देकर उन्हें अच्छी शिक्षा दी जा रही है। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि चाहे बेटियां खिलाड़ी हों या फिर किसी अन्य क्षेत्र में हों, उनकी प्रतिभा को सरकार ने सदा सराहा है और उन्हें सम्मान दिया है। इसलिए अब बेटियों को बोझ नहीं समझा जाता। पिछले एक दशक में अनेक बेटियों ने हरियाणा का पूरी दुनिया में नाम रोशन किया है। सरकार की योजनाओं और प्रयासों से यह आंकड़ा बढ़ता ही जाएगा।

जनता का विश्वास और संगठन की मजबूती निरंतर बनी रहे

भाजपा ने कार्यकर्ताओं एवं आम जन की समस्याओं की जन सुनवाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शनिवार को भाजपा फरीदाबाद महानगर जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं एवं आमजन की समस्याओं को सुनने हेतु विशेष जनसुनवाई आयोजित की गई।

एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश फागना भी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं, जिन्हें गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना गया। प्राप्त शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से मौके पर ही फोन पर संवाद किया और कई मामलों में तुरंत समाधान सुनिश्चित कराया। शेष समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए। जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने कहा कि भाजपा संगठन कार्यकर्ताओं के सम्मान और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। कार्यकर्ताओं एवं आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाकर जनहित से जुड़े सभी कार्यों को गति दी जाएगी।

पेयजल की टेस्टिंग के लिए जलकल, जल निगम की टीम करेगी संयुक्त कार्यवाही

गुणवत्तापूर्ण पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें अधिकारी: नगर आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पेयजल की गुणवत्ता की टेस्टिंग की कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। जिसके लिए गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग, जल निगम, वी ए टैक वाबैग तथा समस्त जोन के सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों की भी ड्यूटी लगाई गई है ।

संयुक्त कार्यवाही करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। संबंधित टीम के

साथ नगर आयुक्त ने बैठक की। एक सप्ताह का समय दिया गया है तथा जोन स्तर पर कार्य करने की निर्देश दिए गए। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत लगे हुए नलकूप, हैंड पंप, पानी की टंकियां, सी.डब्ल्यू. आर. की जांच करने के निर्देश बैठक में दिए गए, बैठक में महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद तथा समस्त जोन की टीम उपस्थित रही। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग द्वारा पेयजल की आपूर्ति का कार्य कराया जा रहा है।

लगभग 346000 उपभोक्ताओं को पेयजल की आपूर्ति हो रही है। पेयजल पाइपलाइन की नियमित साफ सफाई का कार्य निरंतर जारी है। नलकूप, हैंड पंप, पानी की टंकियां तथा सी डब्ल्यू आर की टेस्टिंग के लिए टीम का गठन किया गया है जिसमें गाजियाबाद ननि स्वास्थ्य विभाग की समस्त सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, जल निगम की टीम, जलकल विभाग के समस्त अधिकारी और वी ए टैक वाबैग के जोनल इंचार्ज वार्ड वार संयुक्त कार्यवाही करते हुए गुणवत्तापूर्ण पेयजल की आपूर्ति को सुनिश्चित करेगी।

एसएआर अभियान के द्वितीय चरण को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में एसएआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान के द्वितीय चरण को सफल बनाने के उद्देश्य से भाजपा कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक नेहरू नगर स्थित भाजपा महानगर कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में आम जन को अपने मताधिकार के प्रयोग हेतु नई वोट बनवाने और मतदाता सूची संशोधन के लिए अधिक से अधिक जन सहयोग जुटाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर नेहरू नगर कार्यालय पर हेल्प डेस्क की स्थापना कर कार्यकर्ताओं को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई, जिससे आम नागरिकों को मतदाता सूची से संबंधित सभी प्रक्रियाओं में त्वरित सहायता मिल सके।

निवेश के नाम पर ढाई करोड़ से अधिक की ठगी

आरोपियों को 2 दिन के रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

साइबर ठगों पर कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस की साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने 2,61,15,000 रुपए की ठगी के मामले में उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को द्वारका दिल्ली से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस के अनुसार सेक्टर-35 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि इंस्टाग्राम पर उसे लिंक दिखाई दिया, जैसे ही उसने लिंक पर क्लिक किया तो उसके पास एक मैसेज आया, जिस नम्बर पर निवेश के लिये उसकी बात होने लगी। जिसके बाद ठगों ने उसे एक व्हाट्सएप पर ग्रुप में जोडा, जहां पर शेयर मार्केट व आईपीओ में निवेश के लिए जानकारी दी जाती थी। फिर एक लिंक भेज कर उसकी जानकारी ली गई और उसका खाता खुलवाया गया। ठगों ने उसे विभिन्न शेयर और आईपीओ में निवेश करने बारे में बताया, ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न खातों में 2,61,15,000 रूपए ट्रांसफर कर दिये। जब उसने लाभ के साथ पैसे देने को कहा तो अलग अलग चार्ज के नाम पर और पैसों की मांग की गई। जिस शिकायत पर साइबर थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। रोहित सक्सेना निवासी द्वारका दिल्ली को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने खाताधारक संदीप व अभिषेक से खाता लेकर आगे ठगो को दिया था। आरोपी 12वीं पास है और प्रोपर्टी डीलिंग का काम करता है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस छानबीन के बाद आगामी कार्रवाई करेगी

मुफ्त में चाय-परांठा नहीं देने पर रेहड़ी वाले से जमकर मारपीट व तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

पालम विहार थाना एरिया में मुफ्त में चाय-परांठा नहीं देने पर युवक ने दबंगई दिखाते हुए अपने साथियों के साथ रेहड़ी वाले से जमकर मारपीट व तोड़फोड़ की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरु कर दी।

पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पूरी वारदात के बारे में जानकारी ले रही है। पुलिस को दी शिकायत में यूपी के लखीमपुर खीरी निवासी राम मिश्रा ने बताया कि वह गुरुग्राम के पालम विहार में रेजांगला चौक के पास रहता है। 1/2 जनवरी की रात करीब 12.30 बजे जब वह अपनी रेहड़ी पर चाय बना रहा था। जब राम मिश्रा ने खाने व सिगरेट के रुपए मांगे तो हितेश यादव रुपए देने से मना करने लगा और खाने-पीने की चीजें मुफ्त में ले जाने की बात कहने लगा। राम मिश्रा ने मना किया तो हितेश यादव गालियां व धमकी देते हुए वहां से चला गया। कुछ देर बाद वह पांच-छह युवकों को साथ लेकर वापस रेहड़ी पर आया और राम मिश्रा व दुकान पर काम करने वाले गणेश के साथ मारपीट की। युवकों ने रेहड़ी पर चाय बनाने वाला पतीला उठाकर फेंक दिया व रेहड़ी पर तोड़फोड़ की। जांच अधिकारी धर्मेंद्र ने बताया कि मामले को लेकर हितेश यादव व अन्य युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पूरी वारदात के बारे में जानकारी जा रही है। छानबीन के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

रक्तदान शिविर में कैबिनेट मंत्री गोयल के पुत्र एवं पुत्री दोनों ने किया रक्तदान

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं: विपुल गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और इससे समाज में संवेदनशीलता सहयोग और सेवा भाव को सशक्त आधार मिलता है। वे शनिवार को रोटरी क्लब फरीदाबाद ईस्ट एवं मिड टाउन द्वारा टैम्स एंड कंपनी एलएलपी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स तथा एवांटेज के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में सहभागिता करने पहुंचे। सेक्टर-10 डीएलएफ स्थित आयोजन स्थल पर आयोजित इस रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर प्रसिद्ध उद्योगपति केसी लखानी, एफआईए के पूर्व प्रधान बी.आर. भाटिया, सीए तरूण गुप्ता, सीए मोहन सोनी, पलवल के डिप्टी सीएमओ डॉ. नवीन गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के पुत्र एवं पुत्री दोनों ने स्वयं रक्तदान कर सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके इस कदम को उपस्थित जनसमूह ने सराहना और प्रेरणा के रूप में देखा। कैबिनेट मंत्री गोयल ने कहा कि जब युवा पीढ़ी सेवा कार्यों में आगे आती है तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव पड़ती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद के जीवन की रक्षा करता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नरेन्दर कुमार** पुत्रः **मेहर सिंह** पताः **मकान नं. एफ–228, गली नं. 9, शिव मंदिर वाली गली, विजय विहार–फेस–I, दिल्ली** ने case **CC No. 741/2019, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नरेन्दर कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नरेन्दर कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **CC No. 741/2019, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नरेन्दर कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 16.02.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनिवाल
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
उत्तर, कोर्ट नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/128/ON/2026 (Court Matter)

बादशाह चौक स्थित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण किया

महानायक माता सावित्री बाई फुले का जन्मदिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महिला मुक्ति, असप्रस्ता, बालिका पढ़ाओ, पुनर्विवाह व बालिका विवाह पर रोक लगाने आदि आंदोलन की महानायक माता सावित्रीबाई फुले को शनिवार को उनके जन्म दिवस पर याद करते हुए बादशाह चौक स्थित माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के नवनिर्वाचित राज्य प्रधान एवं सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने माल्याअर्पण किया।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। इनके पिता का नाम

खंदोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। सावित्रीबाई फुले का विवाह 1841 में महात्मा ज्योतिराव फुले से हुआ था। सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल (महिला शिक्षिका) और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। श्री शास्त्री ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले ने महिला उत्थान की और असप्रस्ता विरोधी आंदोलन की शुरुआत अपने पति ज्योतिबा फुले के मार्गदर्शन में की थी, शास्त्री ने कहा की ज्योतिबा फुले भारत के एक महान समाज सुधारक, शिक्षक और लेखक थे, उनके समाज सुधार के कार्यों को देखकर ही उन्हें महात्मा की उपाधि मिली। संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने माता सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न अवॉर्ड देने एवं पाठ्यक्रम स्कूल सिलेबस में माता सावित्रीबाई की जीवनी एवं उनके संघर्षों को शामिल करने की मांग की। इस अवसर पर नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य उप महासचिव सुनील चिंडालिया, परसराम अधाना, वेद शर्मा व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान करतार सिंह, वरिष्ठ प्रधान जगदीश शर्मा, जिला सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर, नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के जिला प्रधान दलीप बोहत, जिला सचिव अनिल चिड़ालिया, स्वास्थ्य विभाग बादशाह खान के नेता नीरज नंद ढकोलिया, नगरपालिका महिला नेता सुरेश देवी, ललिता देवी तथा सैनिटेशन स्टाफ यूनियन के प्रधान राहुल चिंडालिया व सचिव विशाल , सफाई कर्मचारी यूनियन के वरिष्ठ प्रधान श्रीनंद , सचिव महेंद्र , कोषाध्यक्ष जितेंद्र छावड़ा आदि।

गुरूगोविंद सिंह जी का प्रकाशोत्सव धूमधाम से मनाया, निकाली प्रभातफेरी

फरीदाबाद। एनएच-5 स्थित गुरूद्वारा पारचिनार पंचायत में गुरू गोबिन्द सिंह जी का प्रकाशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों ने प्रातः प्रभात फेरी निकाली जिसमें चेयरमेन जोगेन्द्र सिंह छाबड़ा, प्रधान सुरिन्द्र सिंह जयसवाल, महासचिव हरबंस सिंह, उपप्रधान प्रीतम सिंह गुलाटी, समाजसेवी सुरजीत सिंह ग्रोवर, कोषाध्यक्ष संत सिंह जयसवाल, अमरीक सिंह छाबड़ा सहित कई महिला श्रद्धालुओं ने निशान साहिब पर फूलों की माला चढ़ाकर माथा टेका। इसके पश्चात गुरूद्वारे में हेड ग्रंथी जोगेन्द्र सिंह और तबला वाचक गुरमीत सिंह के शब्द कीर्तिन सुनकर सभी भक्त भक्ति रस में डूब गए। इस मौके पर सुरेंद्र सिंह जयसवाल ने कहा कि पिछले 20 दिनों से श्रद्धालु द्वारा प्रातः प्रभातभेरी निकाली गई। उन्होनें कहा कि गुरू गोबिन्द सिंह ने हमेशा मर्यादित तथा शुभ आचरण करने, देश से प्रेम करने व दीन दुखियों की सहायता करने की सीख दी थी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राज कुमार पुत्र** मंगलाराम, **निवासीः** बी–441 निकट कालका मंदिर भाग्य विहार, थाना–प्रेम नगर, दिल्ली, ने **FIR No. 168/2020, U/S 33/38 Delhi Excise Act /188 IPC & 51 DM Act, पुलिस स्टेशन मुंडका, बाहरी जिला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राज कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राज कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 168/2020, U/S 33/38 Delhi Excise Act /188 IPC & 51 DM Act, पुलिस स्टेशन मुंडका, बाहरी जिला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **राज कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.02.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव सिंघल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–06 (पश्चिम),
कमरा नं0–355, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/115/OD/2026 (Court Matter)

बरेली में 300 एकड़ जमीन पर विकसित होगी इंडस्ट्रियल टाउनशिप

बरेली में बीडीए प्रदेश की पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करेगा। इस टाउनशिप में उद्योग के साथ लोगों के रहने की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि लोग काम और अपने जीवन को एक ही जगह पर संतुलित कर सकें।

एजेंसी ▶▶ बरेली

बरेली विकास प्राधिकरण गांव रहपुरा जागीर में 300 एकड़ भूमि पर प्रदेश की पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करेगा। इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। शहरवासियों को इसी माह रामायण वाटिका की भी सौगात मिलेगी। सीएम योगी इसे जनता को समर्पित करेंगे। रामायण के प्रसंगों पर आधारित इस वाटिका में श्रीराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा लगी है। पीलीभीत रोड पर नई टाउनशिप का तोहफा भी लोगों को मिलेगा। बीडीए ने इंडस्ट्रियल टाउनशिप को लॉजिस्टिक हब, ट्रांसपोर्टनगर, वेयर हाउस और इंडस्ट्रियल एरिया चार जोन में बांटा है। जोन एक में शामिल लॉजिस्टिक हब के लिए 125 हेक्टेयर भूमि रहपुरा चौधरी में ली जाएगी। इसमें अलग-अलग आकार के भूखंड होंगे। जोन दो में वेयर हाउस, तीन में ट्रांसपोर्टनगर व चार में इंडस्ट्रियल एरिया को रखा गया है। इनमें भी 750 से लेकर 10 हजार वर्गमीटर तक के प्लॉट होंगे।

जनवरी में मिलेगी रामायण वाटिका की सौगात

कन्वेंशन सेंटर, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की भी सौगात

तीन माह में कन्वेंशन सेंटर व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का तोहफा शहरवासियों को मिलेगा। कन्वेंशन सेंटर में 600 और 200 लोगों के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल के साथ वातानुकूलित कमरे, विवाह और अन्य आयोजन के लिए लॉन, पार्किंग आदि की सुविधा होगी। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मल्टीपर्पज इनडोर हॉल, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग, वॉलीबॉल कोर्ट आदि बनाए गए हैं। ग्रेटर बरेली में 2.5 एकड़ भूमि पर रुद्रावनम और नाथ म्यूजियम का काम अंतिम चरण में हैं। चार माह बाद ये जनता को समर्पित होंगे। रुद्रावनम पूरी तरह शिवमय होगा। नाथ म्यूजियम में सरोवर के चारों ओर गैलरी और ध्यान केंद्र प्रस्तावित है।

टाउनशिप में होंगी ये सुविधाएं

टाउनशिप में ईटीपी, एसटीपी, ई-चार्जिंग स्टेशन, कॉमन पार्किंग एरिया, पेट्रोल-सीएनजी पंप, सीयूजीएल गैस लाइन, कैफेटेरिया, बैंक व पोस्ट ऑफिस, फायर स्टेशन, मेडिकल फैसिलिटी सेंटर, कॉमन फैसिलिटी सेंटर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम आदि होगा। पीलीभीत रोड किनारे 700 एकड़ पर बीडीए नई टाउनशिप विकसित कर रहा है। इंडस्ट्रियल टाउनशिप फेस-2 के लिए भी प्राधिकरण की ओर से 300 एकड़ जमीन देखी जा रही है।

खबर संक्षेप

झारखंड हाई कोर्ट को मिलेंगे नए चीफ जस्टिस

रांची। बांबे हाईकोर्ट के दूसरे वरीयतम जज जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक झारखंड हाईकोर्ट के नए जीफ जस्टिस बनाए गए हैं। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद केंद्रीय कानून मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। झारखंड हाईकोर्ट के वर्तमान चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान आठ जनवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस सोनक चीफ जस्टिस होंगे।

बांग्लादेशी होने के शक में राजमिस्त्री की पिटाई

मधुबनी। जिले से मॉब लिंचिंग जैसी कोशिश का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दो युवकों ने एक शख्स को अवैध 'बांग्लादेशी' घुसपैठिया समझकर उसके साथ बुरा बर्ताव किया व बुरी तरह से पीटा भी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई की गई है।

छात्र ने की खुदकुशी, फंदे से लटकता मिला शव

कानपुर। आईआईटी के बीटेक फोर्थ ईयर स्टूडेंट जय सिंह के बाद अब निजी कॉलेज के बीएएमएस छात्र ने खुदकुशी कर ली है। छात्र का शव उसके कमरे में फंदे से लटकता मिला है। बताया जा रहा है कि तीन सब्जेक्ट में बैक लगने से छात्र काफी तनाव में चल रहा था। शनिवार को उसने अपने कमरे में खुद को फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया।

त्योहारों व पर्वों की तैयारी को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक

माघ मेला व पर्व-त्योहारों पर सीएम की पैनी नजर कहा-श्रद्धालुओं की सुरक्षा में न हो कोई लापरवाही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी पर्व-त्योहारों और माघ मेला को लेकर संबंधित जनपदों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, भीड़ प्रबंधन और महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही, मनमानी व अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

आगामी पर्व-त्योहारों और माघ मेला के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह सतर्क है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित जनपदों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि आस्था के इन महापर्वों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता व तत्परता के साथ कार्य करना होगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगामी पर्व-त्योहारों एवं माघ मेला के दृष्टिगत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जनपदों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय सुरक्षा एवं व्यवस्थागत समीक्षा बैठक की। बैठक में सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारू आयोजन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

अराजक तत्वों और माफियाओं पर कठोर कार्रवाई

सीएम ने संगठनों के नाम पर अराजकता फैलाने, गुंडागर्दी करने अथवा प्रशासन पर दबाव बनाने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही भूमि कब्जा करने वाले माफिया एवं असामाजिक तत्वों पर भी कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने सभी जनपदों को बाढ़ बचाव योजना पर कार्य करते हुए अगले 10 दिनों में विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाकर शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। सड़कों पर जाम की समस्या पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने अवैध टैक्सी स्टैंड, बस स्टैंड एवं वेंडरों को हटाकर उन्हें निर्धारित स्थलों पर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए, जिससे यातायात सुचारू हो सके।

प्रमुख तीर्थ स्थलों पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश

सीएम ने प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, चित्रकूट, हापुड़ (गढ़मुक्तेश्वर), मथुरा-वृंदावन, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर सहित माघ मेला से जुड़े सभी प्रमुख जनपदों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के आवागमन, घाटों एवं मंदिर परिसरों की स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम, भीड़ प्रबंधन तथा मेला क्षेत्र में प्रवेश-निकास की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही किसी भी स्थिति में अराजकता को बढ़ावा न मिले और सभी श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में स्नान एवं पूजा कर सकें। नगर विकास एवं पंचायती राज विभाग को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में स्वच्छता अभियान को तीव्र किया जाए। विशेष रूप से मलिन बस्तियों में व्यापक साफ-सफाई एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे संक्रामक रोगों की संभावना को रोका जा सके।

सीएम ने सम्मेलन को संबोधित किया

निहंगों ने धर्म और देश की रक्षा कर आक्रांताओं को खदेड़ा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि निहंग शब्द का अर्थ निडर हृदय वाले योद्धा से है और स्वयं गुरु साहिबान ने निहंग सिंहों को शस्त्रधारी अकाल सेना का स्वरूप प्रदान किया था। खालसा पंथ में निहंग सिंह संप्रदाय की स्थापना का उद्देश्य धर्म और देश की रक्षा करना था, विशेषकर उन आक्रमणकारियों से जो बाहर से आकर भारत की सभ्यता और संस्कृति को चुनौती देते थे। सीएम चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में आयोजित निहंग सिंह संप्रदाय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर निहंग सिंह साहेबान ने मुख्यमंत्री को सरोपा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया मुख्यमंत्री ने कहा कि 18वीं शताब्दी में अफगान आक्रांता अहमदशाह अब्दाली के बार-बार किए गए आक्रमणों को रोकने में निहंग सिंहों की भूमिका ऐतिहासिक रही।

गुरुओं की शिक्षाएं जन-जन तक पहुंचा रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगानी और चमकौर के रणक्षेत्रों में निहंग सिंह गुरु साहिबान की ढाल बनकर खड़े रहे। बाद में बाबा बंदा सिंह बहादुर, बाबा दीप सिंह जैसे महान निहंग योद्धाओं ने मुगलों को परास्त कर खालसा पंथ को सुदृढ़ किया। सिख समाज में निहंग सिंहों का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण है, वे खालसा पंथ की रीढ़ हैं और उनका जीवन गुरु साहिबान की शिक्षाओं को समर्पित रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार गुरु साहिबानों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

पेज एक का शेष....

तेल की लड़ाई...

कई इलाकों में लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। इस दौरान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने कहा कि सरकार को राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के ठिकाने की कोई जानकारी नहीं है। रॉड्रिग्ज ने कहा कि अमेरिका द्वारा कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति कहां हैं, यह स्पष्ट नहीं है और सरकार उनकी प्रूफ ऑफ लाइफ की मांग कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावे के बाद वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने देश भर में सैन्य बलों की तैनाती की घोषणा की है। उन्होंने अमेरिका के सामने सरेंडर या फिर बातचीत से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हम पर हमला किया है लेकिन वे हमें काबू में नहीं कर पाएंगे।

चीन, रूस व ईरान से दोस्ती बढ़ाना महंगा पड़ा: दोनों देशों के बीच विवाद की पहली चिंगारी 1999 में भड़की जब वेनेजुएला में वामपंथी राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की सरकार सत्ता में आई। शावेज ने तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसका असर यह हुआ कि वेनेजुएला के तेल उद्योग में अमेरिकी कंपनियों की भूमिका घट गई। इस बीच वेनेजुएला की वाम सरकार ने क्यूबा, रूस और चीन के साथ ईरान से करीबी बढ़ा ली, जो सीधे तौर पर अमेरिका की शक्ति को चुनौती देने के कदम के तौर पर देखा जाने लगा। दोनों देशों के रिश्ते तब और खराब हो गए, जब ह्यूगो शावेज के खिलाफ 2002 में तख्तापलट की असफल कोशिश हुई। 2013 में ह्यूगो शावेज की मौत के बाद निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति नहीं हैं मादुरो: मार्को रूबियो: अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रूबियो ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति नहीं हैं और उनकी सरकार अवैध है. उन्होंने कहा कि मादुरो कार्टेल डे लॉस सोल्स के चीफ हैं, जो एक नार्को टेरर संगठन है और उसी ने वेनेजुएला पर कब्जा कर रखा है।

वेनेजुएला बोला- ड्रग सिर्फ बहाना, असल में तेल भंडारों को 'कब्जाना': वेनेजुएला सरकार उन आरोपों को सिरे से खारिज करती है, जिसके तहत उस पर अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी और अपने नागरिकों के दमन का आरोप लगाया जाता है। वेनेजुएला का आरोप है कि ड्रग्स के दावों को सिर्फ एक बहाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन या तख्तापलट करके वेनेजुएला की विशाल तेल संपत्ति पर अमेरिका कब्जा कर सके।

यह हमले वैचारिक शत्रुता से प्रेरित: ईरान व रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका इस हमले को लेकर जो भी तर्क दे रहा है वो बेबुनियाद हैं और यह कदम कूटनीति नहीं, बल्कि वैचारिक शत्रुता से प्रेरित है

अमेरिका और वेनेजुएला में विवाद क्यों?

1. ड्रग तस्करी करने वाली नावों को निशाना बनाया था

सितंबर 2025 में अमेरिका ने दावा किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। वेनेजुएला ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी उठाया है। अमेरिका ने अब तक वेनेजुएला की नावों में मादक पदार्थ ले जाने जाने से जुड़े सबूत नहीं दिए हैं। मादुरो के शासन में वेनेजुएला के लाखों नागरिकों को अमेरिका आने को मजबूर होना पड़ा है, जिससे अमेरिका में प्रवासी संकट बढ़ा।

2. कैरिबियाई सागर में तैनात किए अमेरिकी युद्धपोत

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने अक्तूबर में अमेरिकी नौसेना के सबसे खतरनाक और आधुनिक युद्धपोतों में से एक यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को कैरिबियाई सागर में तैनात कर दिया। इसके अलावा वेनेजुएला के आसपास 5000 अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती भी की गई है, जबकि अमेरिका के 15,000 बलों को दक्षिण अमेरिका में तैनात किया गया है।

3. वेनेजुएला की घेराबंदी, तेल टैंकरों की जब्ती

अमेरिकी बलों ने कैरिबियाई क्षेत्र में वेनेजुएला के तेल टैंकरों की जब्ती भी जारी रखी है। दरअसल, अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला के तेल पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

विदेश मंत्रालय ने ....

को प्रतिबंधित करें और कराकास में भारत के दूतावास के संपर्क में बने रहें। जिसमें ईमेल- cons.caracas@mea.gov.in और फोन नंबर- +58-412-9584288 (वॉट्सअप काल की सुविधा सहित) का इस्तेमाल करें। यहां बता दें कि मामले पर भारत की तरह से दी गई यह पहली प्रतिक्रिया है।

भगवान बुद्ध सबके....

अभिनंदन करता हूं।

देश को उनकी परंपरा का जीवंत वाहक बताया: प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। जिस भूमि पर भगवान बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिए, वो सारनाथ आज मेरी कर्मभूमि है। भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष बुद्ध के संदेश की जीवित उपस्थिति है। पीएम मोदी दिल्ली में पिपरहवा बुद्ध अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे, जो इतिहास, संस्कृति और भगवान बुद्ध के शाश्वत आदर्शों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगी

पूरी मानवता को ज्ञान दिया: उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया मार्ग... पूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया।

बुद्ध के पवित्र...

यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। अब इनकी प्राप्ति हो रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने का प्रयास किया। भारत के लिए तो भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष... हमारे आराध्य का ही एक अंश है, हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है।

मोदी सरकार अंडमान...

आईएसओ मानांकों के अनुरूप अंडमान निकोबार को अपग्रेड कर हमने इसे वैश्विक स्कूबा और एडवेंटर वाटर स्पोर्ट्स का गंतव्य बनाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की एक पेड़ मां के नाम अपील के तहत यहां 24 लाख वृक्षों का रोपण कर हमने पर्यावरण की भी चिंता की है। उन्होंने कहा कि श्री विजयपुरम नगर पालिका परिषद द्वारा 98% घरों से कचरा संग्रहण किया जाना स्वच्छ भारत मिशन की ऐतिहासिक सफलता है।

बोस ने सबसे ....

और उनके उद्गारों के सम्मान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने दो द्वीपों के नाम शहीद और स्वराज रखने का काम किया।

गुमला में सांप्रदायिक तनाव

यीशु जन्मोत्सव पर चरनी जला दी, मूर्ति भी तोड़ी, ईसाई समाज में गहरा आक्रोश

एजेंसी ▶▶ गुमला

गुमला में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई है। यहां के जारी थाना क्षेत्र के भीखमपुर गांव में ईसाई समुदाय की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने का मामला सामने आया है। शुक्रवार देर शाम करीब आठ बजे असामाजिक तत्वों ने गांव में प्रभु यीशु के जन्मोत्सव के अवसर पर बनाई गई चरनी को आग के हवाले कर दिया, वहीं बालक यीशु की मूर्ति को तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस घटना से ईसाई समाज में गहरा आक्रोश फैल गया। जिससे क्षेत्र का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया। शनिवार सुबह करीब छह बजे आक्रोशित ईसाई समुदाय के ग्रामीणों ने भीखमपुर-गोविंदपुर मुख्य सड़क को जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क जाम के कारण सुबह से ही आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यह जाम करीब चार घंटे तक चला और सुबह लगभग 10 बजे समाप्त हुआ। सूचना मिलने पर बीडीओ यादव बैठा एवं जारी थाना प्रभारी शनि कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पदाधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और उनकी मांगों को गंभीरता से सुना।

प्रशासन की पहल और आश्वासन के बाद सड़क जाम को शांतिपूर्वक हटा लिया गया।

इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन को एक लिखित आवेदन सौंपते हुए दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। ्रामीणों का कहना था कि यह घटना केवल धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला नहीं है, बल्कि क्षेत्र में अशांति फैलाने की साजिश का हिस्सा भी हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

100 करोड़ रुपए की आ रही है लागत

नए डिपो से होगा आगरा मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर पर परीक्षण

एजेंसी ▶▶ आगरा

मेट्रो के पहले कॉरिडोर में परीक्षण कमिश्नरी डिपो से हो रहा है। दूसरे कारिडोर में परीक्षण न्यू डिपो से होगा। एएसआइ कार्यालय के पीछे न्यू डिपो तेजी से बन रहा है। अवंतीबाई चौराहा से माल रोड होते हुए न्यू डिपो तक लाइन बिछ चुकी है। पटरी और बिजली की लाइन बिछना बाकी रह गया है। पांच माह में सभी कार्य होंगे।

मेट्रो का दूसरा कॉरिडोर आगरा कैंट रेलवे स्टेशन से कालिंदी विहार तक 16 किमी लंबा है। इसमें 14 स्टेशन बनेंगे। यह कॉरिडोर एमजी रोड से नेशनल हाईवे होते हुए बन रहा है। एएसआइ कार्यालय के पीछे साढ़े चार हेक्टेयर में न्यू डिपो बनाया जा रहा है। इसके लिए अलग से मेट्रो की लाइन बिछ रही है।

गिरधारी लाल ने बिहार की महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की थी

उत्तराखंड की भाजपा मंत्री रेखा आर्य के पति के बयान पर गरमाई बिहार की सियासत, मुजफ्फरपुर कोर्ट में केस दायर

एजेंसी ▶▶ मुजफ्फरपुर

बिहार की लड़कियों के संबंध में आपत्तिजनक बयान देने को लेकर उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारीलाल साहू के विरुद्ध मुजफ्फरपुर की अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-प्रथम पश्चिमी के कोर्ट में शनिवार को परिवाद दाखिल किया गया है। यह परिवाद अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने दाखिल किया है। कोर्ट ने परिवाद को सुनवाई पर रखा है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि उत्तराखंड के मंत्री के पति के आपत्तिजनक बयान से बिहार की महिलाओं को अपमानित करने का काम किया गया है।

बिहार की बेटियों पर अभद्र टिप्पणी

गौरतलब है कि गिरधारी लाल साहू की बिहार की बेटियों पर अभद्र टिप्पणी से पूरे राज्य में आक्रोश है। सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने इसकी तीखी निंदा की है। महिला संगठनों में बयान के बाद उबाल है। संगठनों ने सार्वजनिक माफी, मंत्री के इस्तीफे और उनके पति को भाजपा से निष्कासित करने की मांग की है। वहीं, राज्य महिला आयोग ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

मंत्री रेखा आर्या को बर्खास्त करने की मांग

मंत्री पति के बयान पर बिहार के राजनीतिक दलों ने तीखा हमला किया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखे संदेश में आरोप लगाया है कि भाजपाइयों की बिहार व महिलाओं के प्रति सदा से ही ऐसी विषैली सोच रही है। भाजपा ने पहले वोट खरीदा अब उसके नेता लड़की ले जाने की बात कर रहे हैं। बयान का वीडियो साझा करते हुए तेजस्वी ने कहा कि इससे साफ है कि वे बिहार की महिलाओं के प्रति कितनी घृणित सोच रखते हैं। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के साथ ही भाजपा की ओर से स्पष्टीकरण आना चाहिए। राजद के साथ कांग्रेस ने भी उत्तरखंड की मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की है। कांग्रेस के राजेश राठौड़ ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार की लड़कियों के बारे में बयान पूरे देश की महिलाओं का अपमान है। पीएम और भाजपा को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप थ्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। 'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है। 'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे। 'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

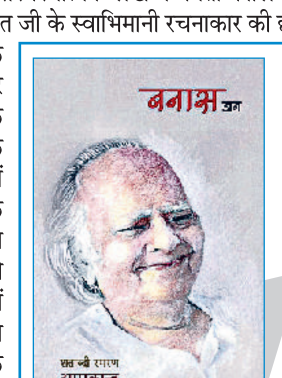

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

मुख्यमंत्री ने जबलपुर में किया प्रदेश के दूसरे गीता भवन का लोकार्पण

50 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद संपूर्ण भारत में सांस्कृतिक अभ्युदय का वातावरण बना है। राज्य सरकार ने विरासत के संरक्षण के साथ विकास को गति प्रदान करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त भव्य गीता भवन बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश का पहला गीता भवन इंदौर में लोकार्पित हो चुका है। इसी क्रम में जबलपुर को भी गीता भवन की सौगात मिली है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को जबलपुर में गीता भवन के लोकार्पण एवं 50 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के माध्यम से शिक्षा नीतिः 2020 में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव करवाए। यह सौभाग्य का विषय है कि मप्र सरकार ने देश में सबसे पहले इसे लागू किया। हमने अपने पवित्र ग्रंथ गीता और रामायण के प्रसंगों को स्कूली पाठ्यक्रमों में भी स्थान दिया है।

गीता भवन का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

गीता और रामायण के प्रसंगों को स्कूली पाठ्यक्रमों में स्थान दिया: सीएम

विद्यार्थियों को भगवत गीता ग्रंथ का वितरण किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऋषि जाबाली की पावन भूमि जबलपुर को आज भगवान श्रीराम की रामायण के अंतर्राष्ट्रीय आयोजन और भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र गीता के नाम पर तैयार हुए गीता भवन की अनुपम सौगात मिल रही है। भारत में चारों दिशाओं में श्रीराम और श्रीकृष्ण ने अपने पराक्रम से लीलाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कई योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ एवं 5 विद्यार्थियों को भगवत गीता ग्रंथ का वितरण भी किया। इन विकास कार्यों में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में जीर्णोद्धार कार्य और सड़क विकास के कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ किए वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मृत्युलोक में प्रत्येक मनुष्य का जीवन नियत है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के उपदेश में रिश्तों की उलझनों को दूर करते हुए अर्जुन को कर्मवाद का सिद्धांत समझाया। गीता की महिमा ऐसी है कि हमारे मन का अंधकार दूर हो जाता है। स्वयं कष्ट उठाते हुए कैसे संसार की सेवा करें, यह संदेश हमें गीता के माध्यम से मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में उनका लालन-पालन करने वालीं यशोदा मैया और नंद बाबा की भूमिका भी महत्वपूर्ण थी। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सहित जनप्रतिनिधि, संत-महंत एवं स्थानीयजन उपस्थित थे।

» ***सर्वसुविधायुक्त वाचनालय एवं ई-लाइब्रेरी की व्यवस्था***

» ***भवन में 5 हजार से अधिक धार्मिक, साहित्यिक पुस्तकें उपलब्ध***

योजना की हितग्राही महिला को चेक प्रदान करते सीएम डॉ. मोहन।

अध्ययन करने वालों को गीता भवन में मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं

जबलपुर नगर निगम की ओर से विकसित गीता भवन आधुनिक एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। भवन में सर्वसुविधायुक्त वाचनालय एवं ई-लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है। गीता भवन में 5 हजार से अधिक धार्मिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं सामाजिक पुस्तकों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त 900 व्यक्तियों की क्षमता वाला अत्याधुनिक वातानुकूलित ऑडिटोरियम, विचार-मंथन कक्ष सहित अन्य आवश्यक एवं आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जो इसे अध्ययन, शोध, संवाद एवं वैचारिक विमर्श का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बनाती हैं।

खबर संक्षेप

अब थर्ड जेंडर बन सकेंगे पुलिस सब इंस्पेक्टर-सूबेदार

भोपाल। मप्र में थर्ड जेंडर अब सब-इंस्पेक्टर और सूबेदार भी बन सकेंगे। इस संबंध में राज्य शासन ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इससे पहले यह व्यवस्था 2025 में आरक्षक भर्ती परीक्षा में लागू की गई थी। अब सब इंस्पेक्टर और सूबेदार में भी इस वर्ग को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का मौका दी गया है। इसके लिए इन्हें अपने जिले के कलेक्टर से जेंडर सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होगा। नोटिफिकेशन के अनुसार, थर्ड जेंडर उम्मीदवारों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा, जिसके आधार पर कलेक्टर यह प्रमाणित करेंगे कि संबंधित अभ्यर्थी का मूल लिंग पुरुष है या महिला। इसी प्रमाण पत्र के आधार पर उन्हें आगे की भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। जेंडर सर्टिफिकेट मिलने के बाद ही ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। लिखित परीक्षा में सफल होने वाले थर्ड जेंडर उम्मीदवारों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा के मापदंड भी इसी प्रमाण पत्र के अनुरूप तय किए गए हैं।

वर्मा को बर्खास्त करने भेजे 10 हजार पोस्टकार्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश सवर्ण अधिकारी-कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने फर्जी आईएएस संतोष वर्मा को बर्खास्त कर एफआईआर दर्ज करके गिरफ्तार करने की मांग के समर्थन में 15 दिन में पूरे प्रदेश से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम 10 हजार पोस्टकार्ड भेजे है। पोस्टकार्ड अभियान का कर्मचारी नेता सुधीर नायक, उमाशंकर तिवारी, श्याम सुंदर शर्मा, अनुज शर्मा, मयूर उपाध्याय, अनूप शर्मा, सुनील पाठक आदि ने समर्थन किया है। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार पिछले लंबे समय से संतोष वर्मा के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। दिल्ली भेजे गए प्रस्ताव पर भी अभी तक करवाई नहीं हुई है। सवर्ण अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा संतोष वर्मा को बर्खास्त करने एवं गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पिछले 15 दिन से पोस्टकार्ड अभियान चला रहा है। अभियान पूरे एक माह चलाया जाएगा। उसके बाद भी यदि सरकार द्वारा मांग मंजूर नहीं की गई तो प्रदेश स्तरीय जन जागरण आंदोलन शुरू किया जाएगा।

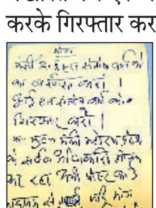

सीएम डॉ. यादव ने महापौर, संभागायुक्त, कलेक्टर और ननि कमिश्नरों की बैठक ली

जलापूर्ति की शिकायतें इमरजेंसी कैटेगरी में शामिल, 48 घंटे में निराकरण के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में भागीरथपुरा में दूषित जल प्रदाय से हुई घटना को लेकर मुख्यमंत्री निवास से शुक्रवार रात वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश के सभी नगर पालिक निगम के महापौर के साथ-साथ संभागायुक्त, कलेक्टर और कमिश्नर नगर निगम के साथ बैठक में नागरिकों को साफ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि सघन आबादी अथवा 20 वर्ष से अधिक पुरानी, बार-बार लीकेज, नालियों, सीवर पाइपलाइन के समीप अथवा नीचे से गुजरने वाली पाइपलाइन का चिन्हांकन का किया जाए। चिन्हांकन में पाए गए रिसाव की 48 घंटे के भीतर मरम्मत सुनिश्चित करें। जल शोधन संयंत्र तथा टंकियां की साफ-सफाई का 7 दिनों के अंदर निरीक्षण, जल शोधन संयंत्रों, जल स्त्रोतों तथा टंकियों पर तत्काल जल नमूना परीक्षण किया जाए। प्रदूषण पाए जाने पर तत्काल जल आपूर्ति रोकी जाए एवं वैकल्पिक सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। क्लोरिनेशन सिस्टम की 24x7 निगरानी की जाए। पाइपलाइन लीकेज डिटेक्शन के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। जल आपूर्ति की शिकायतों को इमरजेंसी श्रेणी में रखा जाए। लीकेज-दूषित जल शिकायतों का 24 से 48 घंटों में अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। सीएम हेल्पलाइन में गंदा-दूषित पेयजल तथा सीवेज से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

खाचरौद में बनेगा संयुक्त तहसील कार्यालय और जनपद पंचायत का नया भवन

मुख्यमंत्री ने खाचरौद में 78.61 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

खाचरौद में विकास कार्यों का लोकार्पण करते सीएम डॉ. यादव।

खाचरौद को विकास कार्यों की सौगात दी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को उज्जैन जिले के खाचरौद में विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने यहां 78 करोड़ 61 लाख रुपए की लागत वाले पूर्ण एवं प्रस्तावित 39 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें 48 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत के 16 कार्यों का लोकार्पण एवं 30 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत वाले 23 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

5 करोड़ की लागत से बनेगा फोरलेन हाईवे

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागदा से खाचरौद से जावरा से उज्जैन होते हुए करीब 5 हजार करोड़ रुपए की लागत से नया फोरलेन हाई-वे बनाया जा रहा है। इससे पूरे क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना से मालवा-निमाड़ और चंबल का पूरा क्षेत्र भरपूर सिंचाई की स्थायी सुविधा से लाभान्वित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 5 सालों में हम प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाकर 100 लाख हेक्टेयर कृषि रकबे तक पहुंचा देंगे।

नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन, नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खाचरौद में 35 करोड़ 40 लाख की लागत से नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन, 11 करोड़ 30 लाख की लागत से नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण सहित अन्य कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में शिक्षा मुख्यमंत्री ने कहा कि खाचरौद के नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण में किसानों की सुविधा के लिए कृषक विश्राम भवन, भोजनालय, पानी की टंकी एवं प्याऊ भी बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने खाचरौद में 9 करोड़ 10 लाख रुपए लागत से बनने वाले संयुक्त तहसील कार्यालय के नवीन भवन, 5 करोड़ 25 लाख लागत से बनने वाले जनपद पंचायत भवन एवं 6 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम-2.0) सहित अन्य प्रस्तावित कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

खाचरौद में बनेगा फूड प्रोसेसिंग पार्क

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र में बहुतायत से होने वाली हरी मटर को देश-विदेश तक पहुंचाने और अन्य सभी फसलों को भी मार्केट लिंकेज दिलाने के लिए खाचरौद में फूड प्रोसेसिंग पार्क बनाने और खिलाड़ियों के लिए नया स्टेडियम बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खाचरौद से रतलाम को डायरेक्ट फोर लेन से जोड़ा जाएगा, जिससे खाचरौद को भी इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन एरिया की सीधी पहुंच मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि गेहूं की खरीदी पर हम किसानों को 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दे रहे हैं। किसानों को ऊर्जादाता बनाएंगे। प्रदेश के 32 लाख किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराएंगे। हर साल 10 लाख किसानों को सोलर पम्प देंगे।

असम सरकार और द हंस फाउंडेशन मिलकर करेंगे टी गार्डन मॉडल स्कूलों में संगीत प्रतिभा की खोज

गुवाहाटी। चाय बागान समुदायों में समग्र शिक्षा को सशक्त बनाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, द हंस फ़ाउंडेशन ने असम सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग के सहयोग से राज्य के चाय बागान क्षेत्रों में स्थित मॉडल स्कूलों में एक बड़े पैमाने पर संगीत प्रतिभा खोज और मेंटरशिप पहल की घोषणा की है। यह पहल शोनितपुर, तिनसुकिया और डिब्रूगढ़ जिलों के चाय बागान क्षेत्रों में स्थित 54 मॉडल स्कूलों को कवर करती है, जिसे द हंस फाउंडेशन और असम सरकार के संयुक्त सहयोग से लागू किया जा रहा है। वर्तमान में यह फाउंडेशन इन स्कूलों को अपने 'उत्तम शिक्षा' कार्यक्रम के तहत समर्थन प्रदान कर रहा है, जिसका उद्देश्य चाय जनजाति के बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुँच, गुणवत्ता और शैक्षणिक परिणामों में सुधार करना है।

एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का दिल्ली कैंट में भव्य शुभारंभ हुआ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2026 का शुभारंभ दिल्ली कैंट स्थित डीजी एनसीसी शिविर में भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। इस वर्ष आयोजित आरडी शिविर में देशभर से कुल 2,406 कैडेट भाग ले रहे हैं, जिनमें जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के 127 कैडेट तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के 131 कैडेट शामिल हैं। इसके अलावा, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) के अंतर्गत 25 मित्र देशों के कैडेट और अधिकारी भी इस शिविर में सहभागिता कर रहे हैं। एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने कोर की स्थापना के 77 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सभी कैडेटों और अधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस शिविर के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह कैडेटों को गणतंत्र दिवस से पूर्व राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित होने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, मूल्यों और परंपराओं से परिचित कराने का एक सशक्त मंच प्रदान करता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)/
84—भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता—2023

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमन पुत्र विकास पताः मकान नं. 783—डी, लोहिया गली नं.03, बाबर पुर, शाहदरा, दिल्ली ने एफआईआर सं. 270/2023 धारा 379/34 भा.द.स. के तहत** थानाः जामा मस्जिद, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अमन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अमन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 270/2023 धारा 379/34 भा.द.स. के तहत** थानाः जामा मस्जिद, दिल्ली **के उक्त अमन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
राशि रहेजा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—13
सेंट्रल जिला, कमरा नं.33, भू—तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/153/CD/2026

ग्राम तरपोंगी पहुंची मंत्री टंकराम, घर-घर जाकर किया अन्न दान ग्रहण

उल्लासपूर्वक मनाया सामाजिक समरसता का पर्व छेरछेरा तिहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक छेरछेरा तिहार इस वर्ष भी पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा धरसींवा विकासखंड के ग्राम तरपोंगी पहुंचे, जहां उन्होंने पारंपरिक रीति से घर-घर जाकर अन्न दान ग्रहण किया।

गांव में लोक पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे वातावरण में अपनत्व व सांस्कृतिक उल्लास झलकता रहा। छेरछेरा की परंपरा निभाते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया और अन्न दान स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि छेरछेरा छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा ऐसा लोक पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना को मजबूत करता है।

अपनी जड़ों से जोड़ता है यह पर्व

यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि छेरछेरा केवल अन्न संग्रह तक सीमित पर्व नहीं है, बल्कि यह लोक संस्कृति, सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाओं का उत्सव है।

छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं हमारी पहचान हैं और इन्हें संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे पर्व नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने पारंपरिक अंदाज में मंत्री का स्वागत किया। गांव में छेरछेरा तिहार की रौनक देखते ही बन रही थी। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ लोक पर्व में भागीदारी निभाई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। छेरछेरा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख पारंपरिक लोक पर्व है, जिसे धान की कटाई के बाद पौष मास (दिसंबर-जनवरी) में मनाया जाता है। यह पर्व कृषि संस्कृति से गहराई से जुड़ा है, जहां किसान फसल कटने के बाद ईश्वर और समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। छेरछेरा दान, सहयोग और सामाजिक एकता का पर्व माना जाता है।

फर्जी नियुक्ति मामले में 4 कर्मचारी बर्खास्त

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। जिला शिक्षा विभाग की ओर से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। विभागीय स्तर पर की गई विस्तृत जांच के बाद चार कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इस कार्रवाई को विभाग की अब तक की सबसे कड़ी अनुशासनात्मक पहल माना जा रहा है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि टीकमचंद साहू, फगेंद्र सिंहा, रजिया अहमद और अजहर अहमद की नियुक्ति वर्ष 2021 में सहायक ग्रेड-3 सहित अन्य पदों पर जिन आदेशों के आधार पर दिखाई गई थी, वे विभागीय रिकॉर्ड में अस्तित्व में ही नहीं थे।

जांच के दौरान नियुक्ति पत्रों पर अंकित क्रमांक और हस्ताक्षर भी आधिकारिक अभिलेखों से मेल नहीं खा सके। मामले के उजागर होने के बाद संबंधित कर्मचारियों से जवाब मांगा गया, लेकिन उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज और स्पष्टीकरण नियुक्ति की वैधता साबित करने में असफल रहे। इसके बाद शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए चारों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक करने का आदेश जारी कर दिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2)(ii) Cr. P.c. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जोया पुत्र** संजीव, **निवासः** वेगाबोण्ड, दिल्ली ने **FIR No. 104/22 U/s 392/34 IPC थानाः खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जोया** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जोया** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 104/22 U/s 392/34 IPC थानाः खजूरी खास** के उक्त अभियुक्त **जोया** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कनिका अग्रवाल
जेएमएफसी-03, कमरा नं. 22
प्रथम तल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/52/NE/2026
(Court Notice)

ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के बारे में दी गई सभी तरह की जानकारी

मप्र में कैबिनेट की बैठक अब ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के जरिए होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में कैबिनेट की बैठक अब ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के जरिए होगी। संभवतः इस वर्ष की पहली बैठक भी उसी एप्लीकेशन के जरिए होगी। पहले जहां कैबिनेट की बैठक में मंत्रियों को खुद मौजूद रहना पड़ता था, अब यह जरूरी नहीं होगा। मंत्री जहां भी मौजूद रहेंगे, वहीं से कैबिनेट की बैठक में जुड़ जाएंगे।

वहीं से बड़े से बड़ा निर्णय कैबिनेट में ले लिया जाएगा। आज से ही इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। मंत्रालय में मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों के विशेष सहायकों, विशेष कर्त्तव्य अधिकारी और निज सचिवों को ई-कैबिनेट एप्लीकेशन का प्रशिक्षण दिया गया। शीघ्र ही कैबिनेट बैठकें ई-कैबिनेट एप्लीकेशन पर आयोजित होंगी।

मंत्रियों के स्टाफ को दिया प्रशिक्षण, दस्तावेजों की डिजिटल प्रस्तुति की जानकारी दी

बैठक में शामिल प्रतिभागियों को मुख्य सचिव कार्यालय के उपसचिव डीके नागेंद्र, एनआईसी के डायरेक्टर अमित जैन, रजिस्टार वल्लभ भवन मनोज श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में ई-कैबिनेट के एजेंडा की जरूरत के बारे में जानकारी दी गई। कैबिनेट से संबंधित सूचनाओं और दस्तावेजों के डिजिटल रूप में तत्काल, सुरक्षित, स्मार्ट और प्रभावी प्रस्तुति और ई-कैबिनेट में प्रयोग के साथ ही बैठक की तैयारी एवं समीक्षा में होने वाली आसानी को बताया गया। प्रशिक्षण में इस नवीन प्रणाली से समय के प्रबंधन और बचत के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि कैसे कागज रहित, सुरक्षित और आसानी से उपयोग होने वाला आधुनिक, डिजिटल इंटरफेस पूर्णतः गोपनीयता रखता है। इससे कभी भी कहीं भी बैठक की कार्य सूची को अपनी सुविधा अनुसार देखा जा सकता है। इस दौरान प्रतिभागियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया गया।

प्रशिक्षण लेते अधिकारी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना – पुनः ई – टेंडरिंग द्वारा निविदा आमंत्रण (ई – प्रोक्योरमेंट प्रणाली)

क्र	निविदा सूचना संख्या	कार्य का नाम व स्थान	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा जमा करने व् खुलने का समय
1	32-W-BR-36-44-MB DATE 03.01.2026	मुरादाबाद डिवीजन के मुरादाबाद–गज़िआबाद खंड के पुल संख्या 19 DN (8X12.2), 22 DN (6X12.2), 36DN (4x12.2m), 44DN (2x6.1m+1x12.2m), 58AUP (9x12.2m) (केवल टॉप फ्लैंज प्रतिस्थापन) पुल संख्या 77 UP (2x12.2m), 116 UP (1x27.14m+1x12.2m) के जंग लगे पार्श्व ब्रेसिंग, एक्स–ब्रेसिंग, गसेट ओर टॉप फ्लैंज प्लेटों बदलने का कार्य।	₹ 7131594.58	₹ 142600/-	08 (आठ) महीने	दिनांकः 28.01.2026 को 15:00 बजे तक तथा इसी दिनांक में निविदा खुलने का समय 15:00 बजे के पश्चात।

नोट : उपरोक्त निविदा प्रपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है जहां से विवरण निविदा व्याख्या को देख व् डाउनलोड किया जा सकता है।
36/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। देश ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबल पावर बन कर उभर रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं। भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जब भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा। भारत की रक्षा क्षेत्र में इसी उपलब्धि का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

रक्षा उत्पादन का स्वदेशीकरण

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

वरिष्ठ स्तंभकार

2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से आगे बढ़ रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में देश ने आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

भारत की रक्षा व्यवस्था के जटिल यक्ष प्रश्न की विवेचना करनी है तो फिर सबसे पहले अत्यंत शक्तिशाली चीन की सैन्य चुनौती हमारे समक्ष उपस्थित हो जाती है। सन् 1947 में आजादी हासिल करने के पश्चात शांति और अहिंसा का परचम लहराते हुए तत्काल तौर पर भारतीय हुकूमत द्वारा अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान केंद्रित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप 1962 में विस्तारवादी फितरत के चीन द्वारा जब भारत पर भीषण आक्रमण अंजाम दिया गया तो फिर भारत को शर्मनाक तौर पर सैन्य पराजय का सामना करना पड़ा। इस ऐतिहासिक पराजय के तत्पश्चात भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान देना प्रारंभ किया और सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने अपनी फतह का झंडा लहरा दिया। भारत वस्तुतः पाकिस्तान को चार विकट युद्धों में पराजित कर चुका है। यहां तक कि सन् 1971 में बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित भी कर चुका है। विगत तकरीबन 36 वर्षों से कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का भी अत्यंत कामयाबी से मुकाबला कर रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान में संचालित आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में जबरदस्त कामयाबी हासिल की है।

विदेशी सैन्य निर्भरता

आजादी के तत्पश्चात एक लंबे ऐतिहासिक दौर तक भारत को अपनी सेना के लिए आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शस्त्रों की खातिर विदेशी सैन्य शक्तियों पर, विशेष कर सोवियत रूस पर निर्भर बना रहना पड़ा। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंक, तोप, बारुद तक भारत की सैन्य निर्भरता रूस पर कायम रही। भारत में सन् 1988 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल पृथ्वी का कामयाब परीक्षण किया गया। सन् 1990 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल आकाश का सफल परीक्षण किया गया और वर्ष 2008 में इसे भारतीय वायु सेना को प्रदान किया गया। सन् 2001 में भारत द्वारा रूस के टेक्नोलॉजिकल सहयोग से निर्मित की गई ब्रह्मोस मिसाइल को भारतीय रक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया। 21वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल से ही भारत ने अपनी रक्षा उद्योगों में आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के स्वदेश में ही निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण में विशिष्ट किरदार निभाया गया है। सैन्य रक्षा उद्यमों में रक्षा सामग्री का स्वदेश में निर्माण करने के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में भारत सरकार द्वारा प्राइवेट सेक्टर को भी निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी गई।

एयर डिफेंस सिस्टम

26 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिफेंस मिशन सुदर्शन चक्र के तहत रूस द्वारा प्रदत एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 का भारत में ही निर्माण करने का ऐलान किया गया। उल्लेखनीय है कि रूस द्वारा सन् 2018 में भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम निर्माण टेक्नोलॉजी के साथ प्रदत्त किया गया था। अमेरिका द्वारा इजराइल को प्रदत्त आयरन डोम की तुलना में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम रक्षा विशेषज्ञों द्वारा कहीं अधिक कारगर करार दिया जाता है। भारत और इजराइल रक्षा सहयोग के तहत बराक-8 और स्पाइडर मिसाइल प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं। 2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से अग्रसर हो रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

रक्षा उत्पादन उच्च स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में अट्ठारह फीसदी अधिक रहा और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में नब्बे फीसदी की वृद्धि हासिल की है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने सत्तर फीसदी का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर तेईस फीसदी हो गई। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें निजी क्षेत्र और डीपीएसयू द्वारा क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान रहा। सन् 2029 के लिए रक्षा सामग्री के निर्यात लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय को रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में दस फ़ीसदी अधिक और कुल बजट का चौदह फ़ीसदी हैं, जोकि सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है। पूंजीगत व्यय 1.80 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें से 75 फीसदी (1.12 लाख करोड़ रुपये घरेलू खरीद के लिए और 28,000 करोड़ रुपये निजी उद्योग के लिए आरक्षित रहे। सुधारों के सन् 2025 के लक्ष्य के अनुरूप ही सन् 2026 में भी रक्षा उद्योगों के स्वदेशीकरण और आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के समावेश का लक्ष्य रखा गया है। 23 अक्टूबर को जारी और एक नवंबर से लागू होने वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट मैनुअल 2025 ने सालाना लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेवेन्यू प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 62,370 करोड़ रुपये में 97 एलसीए विमानों के निर्माण करने का ऑर्डर दिया गया है, मिसाइलों, रडारों और गोला-बारूद के लिए डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के साथ कई रक्षा अनुबंध किए गए हैं।

एरो इंडिया का आयोजन

सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली में डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग-डीपीएसयू-भवन का उद्घाटन अंजाम दिया गया और बेंगलुरु में एरो इंडिया 2025 का सफल आयोजन किया गया । भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जबकि भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा

उल्लेखनीय है स्वदेशी रक्षा प्रणाली की प्रगति

मुद्दा

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंततः रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन् 2025 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में 'इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की विशाल भूमिका रही है। इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण 'आकाश प्राइम' में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉड्‌र्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिये विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोड़कर बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस शृंखला का महत्वपूर्ण अंग है तेजस। तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपये 21,083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारतीय शासन ने 2024-25 तक रक्षा उत्पादन का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रखा था, जिसमें 35,000 करोड़ का निर्यात लक्ष्य सम्मिलित है, जिसे पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। शासन ने 5,000 से अधिक रक्षा मदों की 'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' निर्गत की है। इन मदों का निर्माण अब केवल भारत में ही किया जाएगा।

इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है।

स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली सामरिक तस्वीर

तकनीक

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

साल के आखिरी दिन ओडिशा के तट पर आसमान में जो दृश्य उभरा, उसने भारत की सामरिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। कुछ ही सेकंड के अंतर पर दागी गईं दो प्रलय मिसाइलें न सिर्फ अपने तय लक्ष्यों तक सटीकता के साथ पहुंचीं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक अब परिपक्वता के उस स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां भरोसे, सटीकता और ताकत एक साथ दिखाई देती है। परीक्षण के बाद जो निष्कर्ष सामने आया, उसने रक्षा वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया। प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है। यही कारण है कि प्रलय को थिएटर लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के युद्ध परिदृश्यों में भारत को बढ़त दिला सकती है। यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है। दुश्मन देशों के लिए यह संदेश साफ है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। प्रलय जैसी मिसाइलें यह साबित करती हैं कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत तेजी से और सटीक जवाब देने में सक्षम है। यही कारण है कि इस परीक्षण के बाद दुश्मन देशों की भृकुटियां तनना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक मिसाइल का सफल परीक्षण नहीं, बल्कि भारत की सामरिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। आने वाले समय में जब प्रलय मिसाइल आधिकारिक तौर पर सेना में शामिल होगी, तो यह भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता को एक नई धार देगी। देश के वैज्ञानिक और सैनिक मिलकर भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में लगातार जुटे हुए हैं। साल के आखिरी दिन हुआ यह परीक्षण नए साल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है।

भारतीय रक्षा व्यवस्था की विश्व पटल पर बन रही पहचान

उपलब्धि

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत जैसे देश को युद्ध व लड़ाइयों को लेकर हमेशा तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमेशा ही विजय प्राप्त की। इसका कारण था कि हमारी रक्षा व्यवस्था व सैन्य शक्ति को हम समय-समय पर अपडेट व अपग्रेड करते रहे। हमारे शौर्य का जलवा पूरा विश्व जानता है। देश की रक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। अपने 68 साल के इतिहास में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

बीता वर्ष डीआरडीओ के लिए ऐतिहासिक रहा चूंकि 1.30 लाख करोड़ की डील करने में सफलता हासिल की है। यह एक साल में अभी तक का सर्वाधिक आंकड़ा बताया जा रहा है जिसको देखकर विश्व के संपन्न देश भी चौक गए। डिफेंस सेक्टर में भारत ग्लोबल पावर बनता जा रहा है। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों का ही कमाल है कि भारत आज के दिन डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्टर बन गया है। आज इस उपलब्धि से देश का हर नागरिक खुश है तो वहीं दूसरी ओर विश्व पटल पर हमारी इज्जत बढ़ी है। लगभग दो दशक पूर्व भी कुछ शक्तिशाली देश हमें रक्षा व्यवस्था के आधार पर बेहतरीन नहीं मानते थे। समय बदला तो बाहरी देशों की मिथ्या बदली, चूंकि रक्षा व्यवस्था को लेकर हमारा बजट व सोच बहुत बड़े स्तर पर बढ़ी।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है, जो पिछले वर्ष के 6.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इतने बड़े बजट के साथ हम बलशाली बनकर उभरे हैं। आज हम जनसंख्या के आधार पर प्रथम स्थान पर आते हैं और हमारे देश पर सबकी निगाहें रहती हैं, जिसकी वजह से हमें हर समय चौकन्ना रहना होता है। डीआरडीओ की 68वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चीफ कामत ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2025 में लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 22 स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के लिए 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' प्रदान की है। यह किसी एक वर्ष में दी गई सबसे अधिक मंजूरी है।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है। इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंध किए हैं।

इस प्रकरण की सबसे अच्छी बात यह है कि सभी प्रणालियां भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित की जाएंगी, जिससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित जिन प्रमुख सिस्टम्स को एओएन मिली है उनमें इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, कन्वेंशनल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम 'अनंत शास्त्र', लंबी दूरी की हवा से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II और हवा से हवा में मार करने वाली 'अस्त्र' एमके-II मिसाइल शामिल हैं। इसके अलावा एंटी-टैंक नाग मिसाइल सिस्टम एमके-2, एडवांस्ड लाइटवेट टॉरपीडो, प्रोसेसर बेस्ड मूरड माइन की नेक्स्ट जनरेशन, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल वनए, माउंटेन रडार और एलसीए तेजस एमके-1ए के लिए फुल मिशन सिम्युलेटर को भी मंजूरी दी गई है। एओएन रक्षा खरीद प्रक्रिया का पहला और अहम चरण होता है। भारत की सैन्य शक्ति लगातार मजबूत हो रही है। खासकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के तहत स्वदेशी उत्पादन, गोला-बारूद में आत्मनिर्भरता, उन्नत मिसाइलों (प्रलय, ब्रह्मोस) के सफल परीक्षण, और ड्रोन व नई तकनीक के एकीकरण के कारण जिससे भारत एक बड़ी रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है और आयात पर निर्भरता कम कर रहा है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है और पाकिस्तान टॉप-10 से बाहर हो गया है। भारत के पास बड़ी संख्या में सक्रिय सैनिक, टैंक, विमान और नौसैनिक पोत हैं और यह लगातार अपनी सैन्य क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। आज जरूरत है कि हम अपनी रक्षा व्यवस्था को लगातार अपडेट व अपग्रेड करते रहें।

डीआरडीओ ने दी देश की डिफेंस क्षमता को नई ऊंचाई

योगदान

डॉ. एन. के. सोमानी

स्वतंत्र स्तंभकार

बीते वर्ष ने भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत को यह उपलब्धि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' (आईएडीडब्ल्यूएस) के सफल परीक्षण के जरिए हासिल हुई है। आईएडीडब्ल्यूएस के सफल परीक्षण के बाद न केवल भारत की एयर डिफेस क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी बड़ी मजबूती मिली है। अहम बात यह है कि आईएडीडब्ल्यूएस पूरी तरह से भारत में स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया रक्षा उपकरन है। इस बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार किया गया है।

इसमें क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस मिसाइल और लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल है। यह प्रणाली दुश्मन देशों की ओर से लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और क्रुज मिसाइल से किए गए हमलों को अलग-अलग स्तर पर रोकने और दुश्मन के विमानों को हवा में ही मार गिराने में मदद करती है। खासतौर पर इसमें लगा हाई-पावर लेजर हथियार पलक झपकते ही शत्रु के हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस साल के अंत तक आईएडीडब्ल्यूएस को सेना में शामिल कर किए जाने की संभावना है।

आईएडीडब्ल्यूएस के सफल परीक्षण के बाद भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास आधुनिक और बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। दरअसल भारत को लंबे समय से पश्चिम और उत्तर-पूर्व से सामरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर-पूर्व में चीन से उसके संबंध तनाव पूर्ण हालात में रहे हैं। भारत के दोनों परम्परगात शत्रुओं के पास आधुनिक लड़ाकू विमान, क्रुज मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइलें और उच्च तकनीक के ड्रोन सिस्टम का बड़ा जखीरा है। ऐसी स्थिति में भारत एक ऐसी प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता महसूस कर रहा था तो शत्रु देशों के हवाई हमलों को नाकाम कर सके। आईएडीडब्ल्यूएस 'सुदर्शन चक्र' भारत की इसी सोच का परिणाम है। भारत का सुरक्षा कवच 'सुद्रर्शन चक्र': मिसाइल डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र अपनी तकनीकी क्षमताओं के कारण बेहद खास है। यह सिस्टम 2500 किलोमीटर तक की रेंज में पाकिस्तान और चीन से आने वाली मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम होगा। सुदर्शन चक्र 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में किसी भी मिसाइल को इटरसेप्ट करने में सक्षम होगा। इसमें आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और लेजर-गाइडेड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल हुआ है। यह 5 किलोमीटर प्रति सेंकड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है और इसकी संरचना एक ग्रांउड-बेस्ट और स्पेस बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम पर आधारित है जिसमें सैटेलाइट और रडार नेडवर्क दोनों शामिल है। इसका लक्ष्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रुज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को निष्क्रिय करना है। इसकी अनुमानित लागत 50,000 करोड़ रूपये बताई जा रही है। कहना गलत नहीं होगा कि सुदर्शन चक्र भारतीय वायु सेना के लिए एक आधुनिक एकीकृत और शक्तिशाली 'आयरन डोम' है, जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे की हवाई हमलों से रक्षा करने में मदद करेगा। साल 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने व रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। सरकार के इन प्रयासों को गति देने व देश की रक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओं न केवल भारत की रक्षा जरूरतों को पुरा कर रहा है बल्कि भारत के हथियार निर्यात को भी बढ़ा रहा है। वर्तमान में भारत 100 से अधिक देशों का रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख खरीददार है। इसके अलावा रूस, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, फिलीपींस, सऊदी अरब, स्पेन, अर्जेंटीना, नाइजीरिया, वियतनाम और मॉरिशस भी भारत से हथियार खरीद रहा है। भारत इन देशों को तेजस विमान, आकाश मिसाइल, पिनाक रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी गन और ब्रहमोस जैसी मिसाइलों के साथ-साथ सॉफ्टवेयर व कल-पुर्जे भी निर्यात कर रहा है। डीआरडीओं का योगदानः आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर भारत दुनिया की बड़ी ताकत के तौर पर उभर रहा है। सैन्य मोर्चे पर भारत को शक्तिशाली देश बनाने में डीआरडीओं का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आहृन को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि डीआरडीओं ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूती देने के लिए कई पहल की है। ब्रहमोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबन पॉवर बन कर उभर रहा है। कोई दो राय नहीं कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं।

डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी गति दी है।

एनसीसी के 'गणतंत्र दिवस कैंप-26' में देशभर से शामिल हुए 2 हजार 406 कैडेट

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राजधानी राजधानी के दिल्ली कैंट में शनिवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के 'गणतंत्र दिवस कैंप-2026' की शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने कहा कि में इस वर्ष हमारे एनसीसी के मासिक कैंप में कुल 2 हजार 406 युवा कैडेट भाग ले रहे हैं। जिनमें 127 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से हैं। जबकि 131 उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से हैं। इसके अलावा भारत के 25 मित्र देशों के कैडेट और अधिकारी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) के तहत कैंप में भाग ले रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि एनसीसी के युवा कैडेटों की एक टुकड़ी 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर आयोजित किए गए जाने वाले गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भी भाग लेगी।

पीएम रैली संग होगा कैंप का समापन

उन्होंने बताया एनसीसी के कैंप का कई वीवीआईपी दौरा करेंगे। 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवा कैडेटों को संबोधित करेंगे। जिसे पीएम रैली का नाम दिया गया है और इसी के साथ एनसीसी कैंप का औपचारिक रूप से समापन हो जाएगा। जबकि इससे पहले उप-राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, तीनों सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव एनसीसी कैंप में भाग ले रहे युवा कैडेटों से मुखातिब होंगे। वहीं, मंत्रालय ने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 28 जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल और 29 जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट के मुख्य समारोह के लिए टिकटों का वितरण 5 जनवरी 2026 से शुरू होगा।

ऑपरेशन सिंदूर में रही भागीदारी

लेफ्टिनेंट जनरल वत्स ने कोर की 77 वर्षीय सफल राष्ट्र सेवा के लिए कैडेटों को बधाई दी और कहा कि वर्तमान समय में एनसीसी की उपस्थिति देशभर में बढ़ी है। आंकड़ों के हिसाब से कोर ने भारत के 90 फीसदी से अधिक जिलों को कवर किया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि 7 से 10 मई 2025 तक पश्चिमी-सीमा पर पाकिस्तान के साथ चले सैन्य संघर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्थानीय स्तर पर प्रशासन को सहयोग प्रदान करने के लिए एनसीसी के 75 हजार कैडेटों ने अहम भूमिका निभाई थी। इन सभी ने स्थानीय प्रशासन को मदद प्रदान करने जैसे मेडिकल सहायता और स्वैच्छिक रक्तदान जैसी गतिविधियां की थीं।

20 लाख हुई कैडेटों की संख्या

उन्होंने युवाओं को गणतंत्र दिवस कैंप का महत्व समझाते हुए कहा कि यह कैंप एक ऐसा माध्यम या मंच है, जिसके जरिए हम कैडेटों को देश की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से रूबरू कराते हैं। नई दिल्ली में संविधान लागू होने के मुख्य पर्व के पूर्व में महीने भर की अवधि के दौरान कई महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। लेफ्टिनेंट जनरल वत्स ने बताया कि आज एनसीसी की इकाइयां देश के 90 फीसदी से अधिक जिलों में फैल चुकी हैं। कैडेटों की संख्या जो वर्ष 1948 में इसकी स्थापना के दौरान 20 हजार हुआ करती थी। वो आज 20 लाख तक पहुंच गई है। जिसमें लड़कियों की भागीदारी 40 फीसदी है।

चरित्र और अनुशासन पर रहता जोर

कोर के मुखिया ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर अपने विभिन्न कैंपों के माध्यम से युवाओं में चरित्र निर्माण और अनुशासन को बढ़ावा देने में अहम योगदान करती रही है। 2025 में एनसीसी ने वार्षिक रूप से 1 हजार 665 प्रशिक्षण कैंप आयोजित किए। वहीं, इसी अवधि के दौरान 6 विशेष राष्ट्रीय एकीकृत कैंप और 33 एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप भी हुए। जिनका मुख्य उद्देश्य अलग-अलग इलाकों, प्रांतों और संस्कृतियों से एक साथ एक मंच पर एकत्रित होने वाले कैडेटों के बीच एकीकरण और संबंधों की नींव को मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कैडेटों की भागीदारी से जुड़े आकर्षक बिंदु

वत्स ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के अलावा एनसीसी ने कई अन्य क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभाई है। जिसमें सीमाई इलाकों में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत पहुंच बनाई, एक पेड़ मां के नाम अभियान की मदद से 8 लाख पेड़ लगाए, 4 लाख कैडेटों ने विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद क्विज में भाग लिया है। योग दिवस में 8 लाख कैडेट शामिल हुए, 50 हजार कैडेट स्वच्छ उत्सव का हिस्सा बनें, वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ में 6 लाख कैडेटों की भागीदारी रही। युवा कैडेटों को 4 रिमोट पायलट ट्रेनिंग संगठनों द्वारा ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया गया, 3 हजार कैडेटों ने कौशल मंथन कार्यशालाओं में भाग लिया और 340 कैडेट 85 स्टार्ट-अप और समाधानों पर नवाचार प्रतियोगिता के माध्यम से विचार कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

प्रताड़ना मामले में आरोपित प्रोफेसर सस्पेंड

सोलन। धर्मशाला कॉलेज की छात्रा से रैगिंग व प्रताड़ना के बाद मौत मामले में हिमाचल प्रदेश के

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के आदेश पर आरोपित एसोसिएट प्रोफेसर अशोक कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। विभाग ने इस संबंध में लिखित ऑर्डर जारी कर दिए हैं। आरोपित को शिक्षा निदेशालय शिमला भेज दिया है। उस पर शर्तें लगाई गई हैं।

तेलंगाना ने खत्म किया 2 बच्चों वाला नियम

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा ने स्थानीय निकाय चुनाव के लिए दो बच्चों के नियम को समाप्त करने

वाला विधेयक शनिवार को पारित कर दिया। इसके के तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाते थे। पंचायत राज मंत्री दानसारी अनुसूया ने कहा कि दो बच्चों का नियम जनसंख्या नियंत्रण को लागू किया गया था।

नशे में मंदिर के ऊपर चढ़ा शख्स, शराब मांगी

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित श्री गोविन्दराज स्वामी मंदिर में एक व्यक्ति ने शराब के नशे में

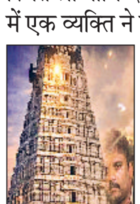

हंगामा किया। वह सुरक्षाकर्मियों को चकमा देने में कामयाब रहा और मंदिर की दीवारों पर चढ़कर शराब की बोतल की मांग करने लगा। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा। उसकी पहचान कुट्टाडी के रूप में हुई है।

पहली हाइड्रोजन ट्रेन 20 को सोनीपत जाएगी

जींद। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आखिर जींद पहुंच गई है। जीद से ही यह ट्रेन 20 जनवरी के बाद

सोनीपत के लिए पहली बार रवाना होगी। ट्रेन व हाइड्रोजन प्लांट की टेस्टिंग के लिए लखनऊ से अनुसंधान और विकास संगठन (आरडीएसओ) की दो टीमें भी जींद पहुंच चुकी हैं। यह टीमें प्लांट की मशीनों की टेस्टिंग कर रही हैं। इसके बाद टेस्टिंग के बाद हरी झंडी देगी।

गांधीनगर में टाइफाइड का कहर, 100 लोग भर्ती

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में टाइफाइड के मामलों में बढ़ोतरी से स्वास्थ्य विभाग में

हड़कंप है। 3दिनों में 100 से अधिक लोग, जिनमें बच्चे शामिल हैं, गांधीनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। प्रशासन और सरकार दोनों स्तर पर कदम उठाए गए हैं। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने भी कलेक्टर से फोन पर कई बार बात की।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड तथा मिजोरम के कृषि मंत्री ने बैठक में लिया हिस्सा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने राज्यों के साथ कृषि योजनाओं एवं बजट उपयोग की समीक्षा की

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना,कृषोन्नति योजना समेत विभिन्न केंद्रीय कृषि योजनाओं की प्रगति एवं बजट उपयोग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छोटे-छोटे प्रशासनिक एवं प्रक्रियागत मुद्दों के कारण कई बार बजट आवंटन में देरी होती है, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर असर पड़ता है। उन्होंने राज्यों को निर्देश दिया कि विभिन्न योजनाओं के लिए आवंटित बजट का उपयोग मार्च माह से पहले सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि राज्य समय पर बजट खर्च नहीं कर पाते हैं तो इससे राज्यों को ही नुकसान होता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राज्यों को पूर्व नियोजित रणनीति के साथ बजट का उपयोग करना चाहिए, ताकि योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुँचे और केंद्र से अगली किश्त समय पर जारी की जा सके।

बैठक में केंद्रीय मंत्री ने पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों के शीघ्र सत्यापन, फसल बीमा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों को कवर करने तथा दावों के समयबद्ध निपटान पर विशेष बल दिया। साथ ही बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता, संतुलित उपयोग और केंद्र–राज्य समन्वय को और मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महाराष्ट्र के कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे, राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किशोरी लाल मीणा, उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी तथा मिजोरम के कृषि मंत्री ने भाग लिया। बैठक में कृषि मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने राज्यों को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने और किसानों के हित में हर संभव सहयोग प्रदान करती रहेगी।

संतुलित उर्वरक उपयोग और टिकाऊ खेती पर चिंतन शिविर में चर्चा

किसानों का जीवन आसान बनाना सरकार की प्राथमिकताः नड्डा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

किसानों को केंद्र में रखकर भारत सरकार की नीतियों को लागू करने, समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के उर्वरक विभाग ने नई दिल्ली में चिंतन शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय उर्वरक और रसायन मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हमारी नीतियों और फैसलों से किसानों का जीवन आसान बनना ही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तमाम विकट परिस्थितियों के बाद भी उर्वरक विभाग ने किसानों की उर्वरक जरूरतों को पूरा करने का कार्य समय पर किया है। उर्वरक विभाग के उठाए गए किसान हितैषी कदमों का ही परिणाम है कि हमने आयात के साथ-साथ उत्पादन में भी इस वर्ष रिकॉर्ड बनाया है। नड्डा ने कहा कि उर्वरकों के संतुलित उपयोग और खेती के इतर उनके दुरुपयोग की समस्याओं से निपटने भारत सरकार के अलग-अलग विभाग मिलकर काम करेंगे।राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि इस चिंतन से सरकार को कुछ ऐसे विचार मिलेंगे जो भारत को 2047 तक विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्र ने कहा कि सरकार, पीएसयू और प्राइवेट सेक्टर ने किसानों को मंथन के केंद्र में रखा है। ऐसे में हमें उम्मीद है कि बेहतर परिणाम मिलेंगे. हमने इस शिविर को एक ऐसा माध्यम बनाया है जिससे प्रत्येक विचार को मंच मिल सके। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, नई दिल्ली में चिंतन शिविर के दौरान 15 समूहों ने आपस में विचार विमर्श कर भारत सरकार को कुछ कारगर सुझाव दिए हैं। केंद्रीय उर्वरक और रसायन मंत्री, राज्य मंत्री और सचिव उर्वरक ने सभी समूहों के साथ बैठकर चर्चा की और उनके सुझावों को सुना। इन समूहों ने उर्वरक, उत्पादन में आत्मनिर्भरता, किसानों से संवाद, उर्वरक इकोसिस्टम को डिजिटल तरीकों से बेहतर बनाने, पोषण आधारित सब्सिडी सहित 15 विषयों पर विमर्श किया।

कहा, हाईवे अक्टूबर 2026 तक बनकर तैयार होना था लेकिन अभी तक पूरी डीपीआर तक मंजूर नहीं

चौटाला-डबवाली-पानीपत-मेरठ राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में देरी से विकास बाधितः सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि वर्ष 2021 में घोषित चौटाला-डबवाली-पानीपत-मेरठ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-709) परियोजना में लगातार हो रही देरी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि घोषणा के समय यह कहा गया था कि यह महत्वपूर्ण हाईवे अक्टूबर 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि इसकी पूरी डीपीआर तक को अभी तक अंतिम स्वीकृति नहीं मिल पाई है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि यह परियोजना केवल एक सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों को सीधे उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण विकास मार्ग है। इस हाईवे के बन जाने से क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होता, आवागमन सुगम होता और पूरे इलाके के आर्थिक विकास को नई दिशा मिलती। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से श्रीगंगानगर, अबोहर, चौटाला, डबवाली, सिरसा, फतेहाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों को विशेष लाभ मिलना था। कपास, गेहूं, सरसों सहित अन्य कृषि उत्पादों की मंडियों और औद्योगिक केंद्रों तक तेज, सस्ती और सुगम ढुलाई संभव होती, जिससे किसानों की लागत घटती और उन्हें अपनी फसल का बेहतर मूल्य मिलता। लेकिन परियोजना में देरी के कारण किसानों को आज भी पुरानी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि एनएच-709 का महत्व उद्योगों के लिए भी उतना ही अधिक है। इस हाईवे के माध्यम से कच्चे माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही आसान होती, नए औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलता और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होते।

पानीपत, हिसार, सिरसा सहित कई औद्योगिक क्षेत्रों को इससे सीधा लाभ मिलना था, जो फिलहाल अधर में लटका हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इस परियोजना की डीपीआर तैयार करने पर लाखों रुपये खर्च किए जा चुके हैं और यह दो वर्षों से केंद्र सरकार के पास लंबित है, तो फिर निर्णय लेने में इतनी देरी क्यों हो रही है। विकास से जुड़ी ऐसी महत्वपूर्ण योजनाओं में टालमटोल सरकार की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह एनएच-709 चौटाला-डबवाली-पानीपत-मेरठ परियोजना की डीपीआर को शीघ्र स्वीकृति दे, निर्माण कार्य की स्पष्ट और व्यावहारिक समय-सीमा घोषित करे तथा वर्ष 2021 में की गई घोषणा को जल्द से जल्द जमीन पर उतारे। उन्होंने कहा कि यह हाईवे किसानों की आय, उद्योगों के विस्तार और सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है और इसे और अधिक समय तक लंबित रखना जनहित के खिलाफ है।

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की सौजन्य मुलाकात, 'बस्तर पंडुम 2026' में किया आमंत्रित

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति को बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, परंपराओं एवं लोक जीवन से अवगत कराते हुए बताया कि बस्तर पंडुम राज्य की जनजातीय विरासत के संरक्षण, संवर्धन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह आयोजन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका अंतिम चरण फरवरी 2026 में बस्तर में संपन्न होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, बुनियादी ढांचे के विस्तार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जनजातीय संस्कृति से जुड़े इस आयोजन की सराहना करते हुए बस्तर पंडुम 2026 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि बस्तर पंडुम 2026 के माध्यम से लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वाद्ययंत्र, हस्तशिल्प, जनजातीय व्यंजन, वेशभूषा सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा।

छग सीएम ने की भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से सौजन्य मुलाक़ात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दी तथा विभिन्न सम-सामयिक एवं संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया।

संदेशखाली में मूसा मोल्लाह की गिरफ्तारी पर मचा बवाल

गांव के एक समूह ने हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया

टीएमसी कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर किया हमला, 6 जवान घायल

एजेंसी ⏭ संदेशखाली

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार करने के बाद भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया। इस हमले में 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए। नजात पुलिस थाने की टीम शुक्रवार रात संदेशखाली ब्लॉक के बोयरमारी गांव में टीएमसी कार्यकर्ता मूसा मोल्लाह को गिरफ्तार करने गई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों पर गांव के एक समूह ने हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। घायल छह पुलिसकर्मियों, जिनमें एक अधिकारी भी शामिल है, उनको इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। जब पुलिस टीम मोल्लाह को उसके घर से उठाकर पुलिस की गाड़ी में ले जा रहे थे, तो गांव वालों के एक समूह ने टीम पर पत्थर फेंके, जिससे वे घायल हो गए।

2 टीएमसी नेताओं को हिरासत में लिया

एक अधिकारी ने बताया कि मोल्लाह को इलाके में मछली पालन के लिए जबरन तालाबों पर कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त पुलिस बल भेजे जाने और भीड़ को खदेड़ने के बाद आखिरकार उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा सका। अधिकारी ने बताया कि उसके अलावा, भीड़ को उकसाने के आरोप में ग्राम पंचायत प्रधान सहित दो स्थानीय टीएमसी नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

अभिषेक का भाजपा पर हमला

भाजपा सांप की तरह, रखेंगे तो काटेंगे

अलीपुरद्वार। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बेनर्जी ने शनिवार को भाजपा पर बड़ा जुबानी हमला

किया। बेनर्जी ने जनता से कहा कि भाजपा एक सांप की तरह है। अगर आप अपने आंगन में 1 या 18 सांप रखेंगे, तो आखिरकार वह आपको काटेंगे ही। इस बार आने वाले चुनावों में यह पक्का करें कि अलीपुरद्वार में कोई सांप न रहे। भाजपा को इस राज्य से बाहर करना होगा।

घायल हूं, इसलिए घातक हूं

टीएमसी ने चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। अभिषेक की बंगाल यात्रा को लेकर एक नया वीडियो जारी किया गया है, जिसमें फिल्म 'धुरंधर' के डायलॉग और गाने का इस्तेमाल किया गया है। दरअसल, इस वीडियो में अभिषेक का संदेश 'घायल हूं इसीलिए घातक हूं' सामने रखा है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहदाब पुत्र श्री बाबू निवासी मकान नंबर 558, गली नं. 08, न्यू मुस्तफाबाद, दिल्ली** ने **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1129/2019, भा.द.सं. की धारा 411 के तहत, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शाहदाब** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शाहदाब** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 1129/2019, भा.द.सं. की धारा 411 के तहत, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाहदाब** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.02.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-11
केंद्रीय, कोर्ट नं. 138, प्रथम तल
तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/16584/N/20255

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संगीत उर्फ गोलू, पुत्र मुकेश निवासी मकान नंबर 211, ए-ब्लॉक, गली नंबर 03, करण विहार, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 228/2011 भा.द.सं. की धारा 356/379/411 के तहत, थाना बेगमपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **संगीत उर्फ गोलू** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **संगीत उर्फ गोलू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 228/2011 भा.द.सं. की धारा 356/379/411 के तहत, थाना बेगमपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **संगीत उर्फ गोलू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **09.02.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री दीपक वत्स
अतिरिक्त मुख्य दण्डाधिकारी, उत्तर-पश्चिम
कोर्ट नं.101, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/66/RD/2026

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता

▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- ▶▶ निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- ▶▶ आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- ▶▶ एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- ▶▶ इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- ▶▶ टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- ▶▶ स्थिरता और कम जोखिम
- ▶▶ लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- ▶▶ अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- ▶▶ विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम

■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

जानकारी
बिजनेस डेस्क

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

● बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ● अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव ● एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याददाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, गिल संभालेंगे कमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 11 जनवरी से होना है। इसके लिए बीसीसीआई ने वनडे टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इसमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल गर्दन मे इंजरी के बाद पूरी तरह से वापस आ गए हैं जबकि उपकप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज सिराज की वापसी हुई है। उनकी वापसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फाइनल फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है। वह पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खलिाफ सिडनी वनडे में चोटिल हो गए थे।

हार्दिक का वर्कलोड मैनेज

वहीं टीम इंडिया के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर जगह बनाने से चूक गए। इस बीच, हार्दिक पंड्या को पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने की इजाजत नहीं मिली है, जिसके चलते टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान से मैनेज कर रहा है और उन्हें वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। दरअसल इसके बाद भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी, जिसे देखते हुए सेलेक्टर्स खिलाड़ियों की फिटनेस और लंबे समय तक तैयार रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अय्यर-सिराज की वापसी

वनडे टीम इंडिया का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा,प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल.

इन प्लेयर्स को मिला मौका

शुभमन गिल चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम में बने रहेंगे। टीम में विकेटकीपिंग ऑप्शन के तौर पर केएल राहुल और ऋषभ पंत भी शामिल हैं, साथ ही ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी भी हैं। तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज संभालेंगे, जिन्हें अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा का साथ मिलेगा, जबकि कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

तारीख	मैच	स्थान
11 जनवरी	पहला वनडे	वडोदरा
14 जनवरी	दूसरा वनडे	राजकोट
18 जनवरी	तीसरा वनडे	इंदौर

खबर संक्षेप

मयंक यादव जल्द करेंगे मैदान में वापसी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ के निचले हिस्से में ऐंठन के कारण लगभग एक साल तक मैदान से बाहर रहने के बाद अब अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करने के लिए फिट होने के करीब हैं। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2024 में अपनी तूफानी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। इसके बाद वह सबसे छोटे प्रारुप में भारत के लिए भी खेले। हालांकि पीठ की चोट के कारण वह 2025 में केवल दो प्रतिस्पर्धी मैच ही खेल पाए। मयंक की फिटनेस संबंधी समस्याओं के बावजूद उनकी आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस तेज गेंदबाज पर भरोसा दिखाया और पिछले महीने हुई नीलामी से पहले उन्हें अपनी टीम में बनाए रखा।

चोट के बाद अय्यर फिट खेलेंगे रिटर्न टू प्ले मैच

मुंबई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले साल अक्टूबर में लगी तिल्ली (स्पलीन) की चोट से उबरने के बाद अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई और हिमाचल प्रदेश के बीच 6 जनवरी को होने वाले मैच में खेलेंगे लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला में उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच के दौरान अय्यर को चोट लगी थी। उन्हें तिल्ली में घाव और आंतरिक रक्तस्राव के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नवंबर की शुरुआत में अय्यर को टीम से रिलीज कर दिया था। इसके बाद दाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब वापसी करने के करीब है। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के एक सूत्र के अनुसार यह 31 वर्षीय खिलाड़ी अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए 50 ओवरों की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

हार्दिक ने एक ओवर में लगाए लगातार 5 छक्के 144.57 की स्ट्राइक रेट से खेली शतकीय पारी

एजेंसी ▶▶ राजकोट

पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ 68 गेंदों पर पूरा किया शतक

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का बल्ला जमकर गरज रहा है। हार्दिक ने विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन के पांचवें चरण के मुकाबले में विदर्भ के खिलाफ तूफानी बैटिंग की और ओवर में लगातार 5 छक्के व एक चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। वहीं देवदत्त पडीक्कल ने भी अपने शतकों का चौका पूरा किया।

हार्दिक पंड्या ने विदर्भ के खिलाफ अपना शतक 68 गेंदों पर पूरा किया। उन्होंने अपने शतक को एक ही ओवर में लगातार 5 छक्के और एक चौका लगाकर यानी 6 गेंदों पर 34 रन बनाकर पूरा किया। विदर्भ के खिलाफ हार्दिक ने इस मैच में 92 गेंदों पर 11 छक्के और 8 चौकों की मदद से 133 रन की जोरदारा पारी खेली। इस पारी के दौरान हार्दिक का स्ट्राइक रेट 144.57 का रहा। हार्दिक की इस पारी के दम पर बड़ोदा ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए।

पडिक्कल ने लगाया शतकों का चौका

विजय हजारे के इस सीजन में देवदत्त पडिक्कल का बल्ला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है और 5वें मैच में उन्होंने सीजन का चौथा शतक लगाया। कर्नाटक के इस बैटर ने त्रिपुरा के खिलाफ 120 गेंदों पर 3 छक्का और 8 चौकों की मदद से 108 रन की पारी खेली और उनकी टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 332 रन बनाए। देवदत्त का बल्ला इस सीजन में चल नहीं गरज रहा है। उन्होंने इससे पहले यानी इस सीजन के पहले मुकाबले में झारखंड के खिलाफ 147 रन की पारी खेली थी जबकि दूसरे मैच में केरल के खिलाफ 124 रन बनाए थे। तीसरे मैच में उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ 22 रन की पारी खेली थी जबकि चौथे मैच में पुडुचेरी के खिलाफ 113 रन की की पारी खेली थी। अब 5वें मैच में उन्होंने 108 रन बनाए।

अक्षर पटेल ने खेली 130 रन की पारी

गुजरात के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने आंध्रा के खिलाफ तूफानी बैटिंग की। इंजरी से वापसी के बाद अक्षर पहली बार मैदान पर उतरे थे और उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाते हुए इस टीम के विरुद्ध 111 गेंदों पर 130 रन ठोक दिए। अक्षर ने अपनी इस पारी के दौरान 5 छक्के और 10 चौके भी जड़े। गुजरात के लिए रवि बिश्नोई ने भी आखिरी पलों में 20 गेंदों पर नाबाद 31 रन का पारी खेली जबकि विशाल जायसवाल ने 60 गेंदों पर 70 रन की बेहतरीन पारी खेली। गुजरात ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 318 रन बनाए। आंध्रा के लिए कप्तान नितीश रेड्डी ने 2 विकेट लिए जबकि सत्यनारायण राजू ने 4 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

सैमसन ने 90 गेंदों पर ठोका शतक, इशान की टीम हारी

5वें चरण के मुकाबले में केरल ने संजू सैमसन और कप्तान रोहन कुन्नुमल की शानदार शतकीय पारी के दम पर इशान किशन की कप्तानी वाली झारखंड की टीम को हरा दिया। संजू और रोहन ने केरल को जोरदार शुरुआत की, जिसके दम पर इस टीम को आसान जीत मिली।इस मैच में झारखंड ने टॉस जीता था और फिर 50 ओवर में 7 विकेट पर 311 रन बनाए। केरल को जीत के लिए 312 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 42.3 ओवर में 2 विकेट पर 313 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। संजू और रोहन ने पहले विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी करके टीम की जीत की राह आसान कर दी।

टी-20 विश्व कप 2026 नामीबिया टीम का ऐलान इरास्मस होंगे कप्तान

दुबई। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए नामीबिया क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर गेरहार्ड इरास्मस करेंगे। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक और बर्नार्ड शोल्ट्ज शामिल हैं। इसके अलावा, निकोल लॉफ्टी-ईटन, मायबर्ग और मालन क्रूगर नामीबिया की बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करेंगे। तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन और बेन शिकोंगो भी टीम का हिस्सा हैं। क्रिकेट नामीबिया ने एक्स पर लिखा, हमारी टीम भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयार है। टीम और मैनेजमेंट को शुभकामनाएं क्योंकि वे वैश्विक मंच पर नामीबिया का झंडा फहराएंगे।

निविदा सूचना संख्या: CON/2025/DEC/04, दिनांक: 09-12-2025 के लिए शुद्धिपत्र नं.- 01

निविदा संख्या: CE-CON-DK-EPC-2025-06 के विपरीत निविदा सूचना संख्या: CON/2025/DEC/04 के लिए शुद्धिपत्र - 01 जारी किया गया है। विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

मुख्य अभियंता/कॉन/ नागालैंड प्रोजेक्ट/मालीगाँव

पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

THE COURT OF THE DISTRICT AND SESSIONS JUDGE, KAMRUP (METRO) AT GUWAHATI
NOTICE
Misc. Probate Case No. 39/2024
Manju Kakati @ Kakoti .....Petitioner
-Versus-
1. Pankaj Kakoty
2. Pallab Kakoty ..... Opposite Parties
To,
Sri Pallab Kakoty S/o- Harendra Nath Kakoty @ Harendra Nath Kakoti R/O: Malviya Nagar, FC-29, Plot No.5 Geetanjali, Near Malviya Nagar Metro Station Gate No. 1, New Delhi-110017, Ph. No. 83760-48661
Take notice that the above named petitioner has filed application under section 276 of Indian Succession Act, 1972 for granting probate of the WILL executed by Harendra Nath Kakoty @ Harendra Nath Kakoti vide Will Regn. Deed No. 478, Sl. No. 29307 dated 02.11.2022 Registered before the office of Sr. Sub Registrar, Kamrup (Metro) at Guwahati. You are hereby asked to appear before my Court at 10 AM on 30.01.2026 for written statement/ objection, if any as to why the relief as sought for by the petitioner will not be granted.
Further take notice that on your failure to do so the case will be heard ex-parte.
Given under my hand and seal on this 6th day of December 2025 AT Guwahati.
DISTRICT & SESSIONS JUDGE, KAMRUP (METRO) AT GUWAHATI

भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक तनाव के कारण द्विपक्षीय क्रिकेट पर संदेह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सितंबर में होने वाली सीरीज पर बीसीसीआई की सहमति नहीं

भारत और बांग्लादेश के बीच बिगड़ते राजनयिक संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट कुछ समय के लिए ठप पड़ सकता है और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा कार्यक्रम की घोषणा के बावजूद भारतीय टीम के दौरे की संभावना कम है। बीसीबी ने शुक्रवार को घोषणा की कि सितंबर में दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की छह मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। उसने बीसीसीआई से परामर्श करने का दावा करते हुए तारीखों की घोषणा भी की। बीसीबी के कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने के बाद एक, तीन और छह सितंबर को तीन वनडे मैच खेलेगी जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नौ, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला मूल रूप से पिछले साल आयोजित होने वाली थी लेकिन भारतीय बोर्ड की सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए रद कर दिया गया था। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि बीसीसीआई इस बार भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है, जिसका एक बड़ा संकेत आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देना है। बांग्लादेश पिछले छह महीने से राजनीतिक हिंसा की चपेट में है और बीसीसीआई इस अस्थिरता की स्थिति में इस देश के दौरे का जोखिम नहीं लेना चाहता है। बांग्लादेश को हालांकि अगले महीने से ही टी20 विश्व कप मैचों के लिए भारत आना है। बीसीसीआई के निर्देशों पर रहमान को आईपीएल से 'रिलीज' किए जाने के बाद बीसीबी का इस पर रुख सबकी नजरों में रहेगा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नाओमी ओसाका कर सकती हैं वापसी

पर्थ। चार बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नाओमी ओसाका यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ महसूस कर रही हैं लेकिन उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। ओसाका यूनान की मारिया सकारी से 6-4, 6-2 से हार गई थी। उन्होंने मैच के बाद कहा कि वह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान 'वास्तव में बीमार' हो गई थीं और इसलिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई। मैच के दौरान ओसाका को बीच-बीच में खांसी आ रही थी और वह थकी हुई लग रही थीं। ओसाका ने कहा, 'मैं कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी, इसलिए अभी यहां आकर खुशी हो रही है। यह गंभीर नहीं है, लेकिन मैं उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर पा रही हूं, जिस स्तर पर मैं करना चाहती हूं, जो थोड़ा निराशाजनक है।' ओसाका ने कहा, ' मैं अब ठीक होने के करीब हूं, लेकिन अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हूं। मैं बस हर दिन बेहतर होने की कोशिश कर रही हूं। मुझे खांसी, नाक बहना और इस तरह की कई परेशानियां थीं, इसलिए उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले ये सब ठीक हो जाएगा।'

वावरिंका ने जीत के साथ की नए वर्ष की शुरुआत

पर्थ। इस सत्र के बाद संन्यास लेने की पहले ही घोषणा कर चुके स्टेन वावरिंका ने 40 वर्ष की उम्र में भी अपने दमखम का शानदार नमूना पेश करते हुए यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ नए साल की शुरुआत की। तीन बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वावरिंका ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को 5-7, 7-6 (5), 7-6 (5) से हराया। रिंडरकनेच की विश्व रैंकिंग 29 जबकि वावरिंका की 157 है। यह मैच तीन घंटे 16 मिनट तक चला। वावरिंका ने दिसंबर में घोषणा की थी कि यह वर्ष एटीपी टूर पर उनका आखिरी वर्ष होगा। स्विट्जरलैंड की उनकी साथी खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच ने इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता के एक अन्य मुकाबले में फ्रांस की लियोलिया जीनजेन को 6-2, 6-4 से हराकर स्विस टीम को 2-0 से अजेय बढ़त दिलाई।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **देसाई पासवान** पुत्र जग्गु पासवान, निवासी मकान नं. 1052, ब्लॉक–ए, गली नं. 5, प्रेम नगर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 30/2019 धारा 279 भा.द.स., थाना गाजीपुर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **देसाई पासवान** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **देसाई पासवान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr. P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 30/2019 धारा 279 भा.द.स., थाना गाजीपुर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **देसाई पासवान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 16.02.2026 को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03 (पूर्व)
कमरा नं. 16,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/106/ED/2026

आईएलटी20 : एमआई एमिरेट्स ने बनाई फाइनल में जगह

शारजाह। एमआई एमिरेट्स ने अपने ऑलराउंड खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए एक कम स्कोर वाले मैच में अबूधाबी नाइट राइडर्स को 7 विकेट से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को एमआई एमिरेट्स का सामना डेजर्ट वाइपर्स से होगा। एमआई एमिरेट्स ने नाइट राइडर्स को केवल आठ विकेट पर 120 रन पर रोक दिया और फिर 16.1 ओवर में तीन विकेट पर 122 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। नाइट राइडर्स के लिए अलीशान शरफू ने 40 गेंदों में 50 रन बनाए, लेकिन एमआई एमिरेट्स ने नियमित अंतराल में विकेट लेकर उस पर दबाव बनाए रखा। एमआई एमिरेट्स की तरफ से एएम ग़ज़नफ़र ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मुहम्मद रोहिद और फजलहक फारुकी ने दो-दो विकेट हासिल किए। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई एमिरेट्स ने दूसरे ओवर की शुरुआत में ही मोहम्मद वसीम (10) का विकेट खो दिया और आंद्रे फ्लेचर (05) के सस्ते में आउट होने के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 36 रन हो गया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पार्ल रॉयल्स ने एमआई केपटाउन को 1 रन से हराया

पार्ल। लुआन ड्रे प्रिटोरियस 98 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे पार्ल रॉयल्स ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक मैच में एमआई केपटाउन को एक रन से हराया। प्रिटोरियस शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उनकी 69 गेंद पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से खेली गई शानदार पारी और आसा ट्राइब (34 गेंदों में 51 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की मदद से रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 181 रन बनाए। इसके जवाब में एमआई केपटाउन ने आठ विकेट 180 रन बनाए। रयान रिकेलटन (36) और रासी वैन डेर डुसेन (42 गेंदों में 59 रन) ने पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी करके एमआई केपटाउन को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए और 15 ओवर तक उसका स्कोर छह विकेट पर 118 रन हो गया। एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान (18 गेंदों में 35 रन) ने जॉर्ज लिंडे (नाबाद 20) के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। उसे अंतिम ओवर में 15 रन की जरूरत थी, लेकिन राशिद और कागिसो रबाडा के आउट होने से उसकी टीम लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रही। रॉयल्स की तरफ से ओटनील बार्टमैन ने 51 रन देकर चार और सिकंदर रजा ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **हरिराम पुत्रः** भेरोराम, **पताः** ए–382, तीसरी मंजिल, शास्त्री नगर, दिल्ली ने **FIR No. 168/2018 U/s 63 CR Act 103 104 TM Act थानाः करोल बाग, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरिराम** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरिराम** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 168/2018 U/s 63 CR Act 103 104 TM Act थानाः करोल बाग, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **हरिराम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 13.02.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री तानिया सिंह
एसीजेएम–02, कमरा नंबर 296 ए दूसरी मंजिल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/77/CD/2026
(Court Matter)

कट्टरपंथी उस्मान हादी की मौत के बाद से जारी हिंसा से बुरी तरह से प्रभावित हैं हिंदू अल्पसंख्यक

बांग्लादेश में बदमाशों के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए खोकन दास की चली गई जान, अब तक 26 हिंदुओं की हत्या

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत विरोधी कट्टरपंथी उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी चरमपंथियों की हिंसा के बीच हाल ही में गंभीर रूप से घायल हुए 50 वर्षीय हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार को मौत हो गई है।

उन्हें बीते 31 दिसंबर को शरीयतपुर इलाके के कुरबानगाह में अपने मेडिसिन और मोबाइल बैंकिंग के दैनिक कामकाज को खत्म करने के बाद घर लौटते वक्त रास्ते में बदमाशों के एक समूह द्वारा चाकू से किए गए भयंकर हमले और उसके बाद पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की गई थी। जिसके बाद ढाका के एक निजी अस्पताल में करीब ढाई दिन तक चले इलाज के बाद 3 जनवरी को उनकी मौत हो गई है। गौरतलब है कि हादी की मौत के मामले के बाद पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा में काफी वृद्धि देखने को मिली है। जिसके चलते अब तक तीन हिंदू मारे गए हैं। पहले दीपू चंद्र दास और उसके बाद बिजेंद्र बिश्वास भी हिंसा की घटनाओं के बीच ही मारे जा चुके हैं।

बांग्लादेश में जारी समूचे घटनाक्रम पर है भारत की पूरी नजर

पत्नी बोलीं, हमारा कोई दुश्मन नहीं था

खोकन की पत्नी सीमा दास ने ढाका में अस्पताल के बाहर भारतीय मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें अब तक ये समझ में नहीं आया कि उनके पति पर बदमाशों के समूह ने इस प्रकार बुरी तरह से हमला क्यों किया? जबकि हमारी किसी से कोई दुश्मनी या किसी तरह को कोई विवाद भी नहीं चल रहा है? मुझे नहीं पता कि मेरे पति को यूं अचानक क्यों निशाना बनाया गया? उन्होंने बातचीत में हमलावरों के मुस्लिम होने का दावा करते हुए बांग्लादेश की पुलिस और अंतरिम सरकार से मदद देने की अपील की है। सीमा ने कहा कि हमलावरों में से दो को मेरे पति द्वारा पहचाने जाने के बाद उन्होंने पेट्रोल डालकर उन पर आग लगा दी। जिसके बाद वो जान बचाने के लिए पास के एक तालाब में कूद गए थे। इतना कहते ही सीमा अचानक बेहोश हो गई और नीचे गिर पड़ी। उधर, यूनुस सरकार ने खोकन पर किए गए इस जानलेवा हमले के मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी

भारत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के मामलों को कई बार ढाका में कामकाज संभाल रही अंतरिम सरकार के समक्ष गंभीर रूप से चिंता जताई है। बीते दिनों एक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दीपू चंद्र दास की चरमपंथियों की उग्र भीड़ द्वारा की गई निर्मम हत्या की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की थी। इसके अलावा कहा था कि हमारे निकट पड़ोसी देश में जारी गतिविधियों पर भारत की पैनी नजर है। अल्पसंख्यकों (हिंदू व अन्य शामिल) की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह से मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की है। युवाओं के हिंसक आंदोलन की वजह से अगस्त-24 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अचानक ढाका छोड़कर नई दिल्ली आना पड़ा था। तब से वो भारत में ही शरण लिए हुए हैं। बीते वक्त में बांग्लादेश स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायिक अधिकरण (आईसीटी) ने हसीना को छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में मौत की सजा सुनाई थी। जिसके तुरंत बाद यूनुस सरकार ने उनकी पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगा दी है। लेकिन शेख हसीना ने आईसीटी के इस फैसले को असंवैधानिक करार देते हुए कहा था कि उनके राजनीतिक दल के बिना बांग्लादेश में चुनाव कैसे संभव है?

2 हजार 900 मामले सामने आए

जायसवाल ने स्वतंत्र सूत्रों के माध्यम से एक आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि पिछले साल अगस्त 2024 से लेकर अब तक बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के कुल करीब 2 हजार 900 मामले सामने आए हैं। हिंसा को उन्होंने हत्या, जिंदा जलाने और जमीन हथियाने के मामलों के रूप में परिभाषित किया। वहीं, विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने भी कहा था कि अगस्त 2024 से लेकर जनवरी 2025 तक 23 हिंदुओं की हत्या की गई है। इसके अलावा हादी की मौत के बाद अल्पसंख्यकों के खिलाफ फैली हिंसा के दौरान तीन और हिंदू मारे गए हैं। जिसके बाद ऐसे मामलों की कुल संख्या 26 हो गई है।

समावेशी चुनाव के पक्ष में भारत

फरवरी में होने वाले आम चुनावों को लेकर भारत ने कहा था कि हम बांग्लादेश में शांति और स्थिरता के साथ निष्पक्ष और समावेशी चुनावों के पक्ष में हैं। जिसमें सभी पक्षों की अनिवार्य रूप से भागीदारी होनी चाहिए। इसके अलावा नई दिल्ली अपने पड़ोसी देश की आम जनता के साथ लगातार मजबूत संबंधों को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

ईरान संकट के बीच भारतीय छात्रों ने लगाई प्रधानमंत्री मोदी से मदद की गुहार

जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने पीएम को लिखा पत्र छात्रों की सुरक्षा और कल्याण पर दिया जोर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बीते कुछ समय से ईरान में तेजी से गहराते आर्थिक संकट की वजह से जारी सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच जम्मू-कश्मीर छात्र संघ (जेकेएसए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर राजधानी तेहरान समेत अन्य जगहों पर फंसे हुए भारतीयों खासकर कश्मीरी छात्रों की मदद करने की अपील की है। इसके अलावा संघ ने ईरान में मौजूद भारतीय दूतावास से भी चिंताजनक हालातों के बीच देश के छात्रों की सुरक्षित निकासी की योजना बनाने के लिए आग्रह किया है।

■ अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में ईरान में जम्मू-कश्मीर के 2 हजार से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं

इस पत्र के माध्यम से छात्र संघ की कोशिश यह है कि वो चाहता है कि मामले पर पीएम मोदी, विदेश मंत्रालय को निर्देश दें कि वह जल्द से जल्द तेहरान में अपने दूतावास के माध्यम से संचार संबंधी एक विशेष व्यवस्था बनाएं। जिसकी मदद से देश के छात्रों या अन्य प्रभावित नागरिकों तक चौबीसों घंटे सही जानकारी पहुंचाई जा सके। वहीं, यही व्यवस्था आपात परिस्थिति में भी मददगार साबित होगी। इसके अलावा ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट एसोसिएशन (एआईएमएसए) ने भी विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर को पत्र लिखकर मामले में छात्रों की मदद करने का अनुरोध किया है।

पूर्व में ऑपरेशन सिंधु की रही बड़ी भूमिका

यहां बता दें कि पिछले साल अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमले के बाद उत्पन्न हुए तनाव के बाद यह दूसरा ऐसा मौका है। जब जम्मू-कश्मीर के छात्र संघ ने मुख्य रूप से केंद्र-शासित के युवा छात्रों को मदद प्रदान करने की केंद्र सरकार से अपील की है। वर्तमान में ईरान में देश के बाकी राज्यों की तुलना में जम्मू-कश्मीर से सवार्धिक छात्र पढ़ाई करने के लिए रह रहे हैं। इनमें ज्यादातर मेडिकल (एमबीबीएस) की पढ़ाई के लिए ईरान में हैं। अमेरिकी हमले के दौरान छात्र संघ की अपील के बाद विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंधु नामक अभियान चलाकर सैन्य और नागरिक विमानों के जरिए बड़े पैमाने पर ईरान से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी कराई थी। लेकिन अभी इस तरह की किसी योजना की घोषणा सरकार की तरफ से नहीं की गई है।

छात्रों की सुरक्षा, कल्याण पर दिया जोर

जेकेएसए ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री से कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा, कल्याण के साथ ही उन्हें जरूरी सहायता प्रदान करने के तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। संघ के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खूहामी ने कहा कि भारत के मित्र देश ईरान में बने हुए मौजूदा तनावपूर्ण हालातों के बीच उन्हें कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा को लेकर काफी चिंता हो रही है। उन्होंने बताया कि इस वक्त तेहरान समेत ईरान के विभिन्न इलाकों में मौजूद मेडिकल विश्वविद्यालयों में कश्मीर के कुल करीब 2 हजार छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। जो वहां छात्रावासों में रहते हैं और अपनी नियमित आवाजाही के लिए ज्यादातर सार्वजनिक यातायात पर निर्भर हैं। ऐसे में हिंसक प्रदर्शनों के बीच उनकी सुरक्षा और कल्याण हमारा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। ईरान से पर्याप्त जानकारी न मिलने, इंटरनेट बाधित होने, संचार की कमी जैसी समस्याओं की वजह से छात्रों के अभिभावकों में भी काफी चिंता बनी हुई है।

पीएम के नेतृत्व पर जताया भरोसा

उन्होंने कहा कि ईरान में फंसे हुए छात्रों और उनके परिजनों ने फोन कॉल के माध्यम से उन्हें तमाम जटिल हालातों के बारे में सूचित किया है। छात्र संघ ने पीएम के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए कहा है कि जिस प्रकार से पूर्व में दुनिया के अलग-अलग भागों में मुश्किल परिस्थितियों के बीच सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षित भारत वापसी कराई थी। उसी तरह से हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार भी ऐसा ही होगा।

उपराष्ट्रपति ने चेन्नई में 9वें सिद्धा दिवस समारोह का किया उद्घाटन

सिद्धा आधुनिक विश्व के लिए समग्र, निवारक और सतत स्वास्थ्य प्रणालीः राधाकृष्णन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने 9वें सिद्धा दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा कि सिद्धा चिकित्सा प्रणाली आधुनिक विश्व के लिए एक समग्र, निवारक और टिकाऊ स्वास्थ्य प्रणाली है, जिसकी प्रासंगिकता आज और अधिक बढ़ गई है। नीतिनिर्माताओं, सिद्धा चिकित्सकों, शिक्षाविदों और छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ सिद्धा, आयुर्वेद, योग एवं अन्य आयुष प्रणालियाँ अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि जीवंत परंपराएँ हैं, जो आज भी करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने सिद्धा चिकित्सा को भारत की सबसे प्राचीन और गहन चिकित्सा परंपराओं में से एक बताते हुए कहा कि यह शरीर, मन और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने पर आधारित है। उपराष्ट्रपति ने प्राचीन ताड़पत्र पांडुलिपियों, शास्त्रीय ग्रंथों और औषधीय पौधों पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना करते हुए विद्वानों और संस्थानों के प्रयासों की प्रशंसा की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐतिहासिक उपेक्षा और अपर्याप्त दस्तावेजीकरण के कारण कई बहुमूल्य ग्रंथों के नष्ट होने का खतरा रहा है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण, संग्रह और शोध के लिए निरंतर और व्यवस्थित प्रयासों की आवश्यकता

पर बल दिया।तेज़ जीवनशैली, तनाव और अस्वस्थ आदतों से उत्पन्न बीमारियों के संदर्भ में उपराष्ट्रपति ने सिद्धा की निवारक चिकित्सा, जीवनशैली प्रबंधन और रोगों की जड़ तक उपचार की पद्धति को अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा की उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए कहा कि दीर्घकालिक उपचार और संतुलन बहाली में पारंपरिक प्रणालियों की भूमिका अहम है। युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए उपराष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि सिद्धा चिकित्सा में सतत अनुसंधान से असाध्य मानी जाने वाली बीमारियों के स्थायी उपचार संभव हो सकते हैं। उन्होंने शोधार्थियों को पर्याप्त वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार प्रतापराव जाधव ने कहा कि सिद्धा स्वास्थ्य, प्रकृति और चेतना की गहरी समझ पर आधारित है और आधुनिक समग्र स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना के बाद सिद्धा सहित पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को नई गति मिली है। मंत्री ने सिद्धा शिक्षा और अनुसंधान में हुई प्रमुख प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि डब्ल्यूएचओ की आईसीडी-11 में सिद्धा मॉर्बिडिटी कोड्स को शामिल किया जाना और अंतरराष्ट्रीय मानक शब्दावली का विकास, सिद्धा को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। समारोह में सिद्धा चिकित्सा में उल्लेखनीय योगदान के लिए पाँच प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. बी. माइकल जेयराज, डॉ. टी. कन्नन राजाराम, दिवंगत डॉ. आई. सोर्नामारियम्मल, डॉ. मोहना राज और प्रो. डॉ. वी. बनुमति शामिल हैं।

"वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सिद्धा" विषय पर आधारित इस आयोजन में देशभर से सिद्धा चिकित्सक, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम ने सिद्धा चिकित्सा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों का अभिन्न अंग बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

'फर्जी' डिग्री में दो लोग भगोड़े अपराधी घोषित

शिमला। शिमला की विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम अदालत ने हिमाचल प्रदेश के कथित फर्जी डिग्री घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में राज्य के एक निजी विश्वविद्यालय के दो प्रवर्तकों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत मनदीप राणा और उसकी मां अशोनी कंवर के खिलाफ यह घोषणा की गई है। ये दोनों सोलन स्थित मानव भारती विश्वविद्यालय के प्रवर्तक हैं ।

सुरक्षा बलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया, शव बरामद

एजेंसी ▶▶ बस्तर

रेंज में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीजापुर और सुकमा जिलों में चलाए गए सघन तलाशी अभियान के दौरान

सुरक्षा बलों ने कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। मारे गए माओवादियों में कुख्यात माओवादी कोंटा एरिया कमेटी प्रभारी वेट्टी मंगडू उर्फ मुक्का और कोंटा एरिया कमेटी सचिव माड़वी हितेश उर्फहुंगा शामिल हैं।

अमेरिका में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत

सुपीरियर। अमेरिका में एरिजोना के पहाड़ी इलाके में एक हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि यह दुर्घटना फीनिक्स से लगभग 103 किलोमीटर पूर्व में स्थित टेलीग्राफ कैन्यन के पास शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। हलिकॉप्टर में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 59 वर्षीय पायलट, 21 वर्षीय दो महिलाएं और 22 वर्षीय एक अन्य महिला शामिल हैं। 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' (एफएए) और 'नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड' (एनटीएसबी) दुर्घटना की जांच कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क का मेयर बनने पर जोहरान ने किया था पंजाबी डांस

मेयर ममदानी ने बंगाली खाने का उठाया लुत्फ, कामकाज संभाला

जन भागीदारी कार्यालय की स्थापना के लिए एक कार्यकारी आदेश पर साइन किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यूयॉर्क शहर के नए मेयर जोहरान ममदानी का ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस समारोह के दौरान ममदानी पंजाबी गाने पर थिरकते नजर आए। अब ममदानी ने अपने मेयर बनने के दूसरे दिन बंगाली व्यंजनों का लुत्फ उठाया है।

ममदानी ने बंगाली भोजन की तस्वीर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर की है।

जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि 'दूसरे दिन का सबसे अच्छा अंत,

बोइशाखी से चिकन रोस्ट और आलू भर्ता। ममदानी ने जन भागीदारी कार्यालय की स्थापना के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य न्यूयॉर्क के लोगों को सरकारी निर्णयों में भाग लेने में मदद करना है और ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे समुदायों की आवाज को बुलंद करना है।

तस्चा वैन ऑकेन, ममदानी की पूर्व कैंपेन फील्ड डायरेक्टर, उनके इस कार्यालय का नेतृत्व करेंगी और जनसंपर्क प्रयासों को सुव्यवस्थित करने के लिए कई शहरों एजेंसियों को एक साथ लाने का कम करेंगी।

ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तूफान से प्रभावित श्रीलंका को मदद जारी

कैंडी में 100 फीट लंबे बेली ब्रिज का निर्माण जारी

बुनियादी ढांचे और सड़क नेटवर्क को बहाल करने जुटी भारतीय सेना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

श्रीलंका में बुनियादी ढांचे की बहाली और आपसी सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय सेना द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन 'सागर बंधु' के तहत एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। भारतीय सेना के इंजीनियरों ने किलिनोच्ची, जाफना में क्रिटिकल ड्यूल कैरिजवे बेली ब्रिज को सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद अब कैंडी के केएम-21 क्षेत्र में 100 फीट लंबे बेली ब्रिज के निर्माण की दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। इस पुल के निर्माण से बी-492 हाईवे पर बाधित संपर्क बहाल होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

चिलाव क्षेत्र में पुल बनाने की तैयारियां शुरू की

श्रीलंका में नए पुल और सड़क का निर्माण करती भारतीय सेना

श्रीलंका ने भारतीय सहयोग को सराहा

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि किलिनोच्ची, जाफना में महत्वपूर्ण डबल लेन बेली ब्रिज को सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद, भारतीय सेना के इंजीनियरों ने बी-492 हाईवे पर कनेक्टिविटी बहाल करने के लिए केएम-21, कैंडी में 100 फीट बेली ब्रिज के निर्माण के लिए साइट को बेहतर बनाने का काम शुरू कर दिया है। मेजर जनरल रोहन मेडागोडा, जीओसी 11 डिवीजन और ब्रिगेडियर सीडी विक्रमनायके, श्रीलंकाई सेना के फील्ड चीफ इंजीनियर ने ब्रिज साइट का दौरा किया, श्रीलंका को सहायता देने के लिए सैनिकों के प्रयासों और भारतीय सेना के इंजीनियरों और श्रीलंकाई सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा पुल बनाने के इस चुनौतीपूर्ण काम में दिखाए गए संयुक्त सहयोग की सराहना की।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109